आप भी बनें पत्रकार करें सहयोग

प्रिय पाठकों,
अब मोबाइल का युग हो गया है शान्तिमोर्चा में प्रकाशन के लिए व्हाट्स–अप 8808841627, 9918725000पर खबर व फोटो भेजें। –व्यवस्थापक

जनसहयोगपरआधारित,उत्तरप्रदेशसरकारद्वारामान्यताप्राप्त,लखनऊ,अयोध्या सेप्रकाशित

शान्ति मोर्चा

निदान चिकित्सा केन्द्र
खिड़की अलीबेग, कॉलेज रोड, फैजाबाद में सभी प्रकार के सर्जरी एवं जनरल फिजीसिएन 24 घंटे उपलब्ध
प्रबन्धक
हरगोविन्द यादव
9889190471

वर्ष–15,अंक–72 अयोध्या,शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 कार्तिक कृष्ण पक्ष पंचमी हिन्दी दैनिक आर.एन.आई.पंजी.सं–यूपी.एच.आई.एन/2012/50297,पृष्ठ–8,मूल्य3.00

काशी की दोनों सीटों पर समाजवादी पार्टी ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत,यूपी की 11 एमएलसी सीटों में से

6 पर भाजपा व 5 पर सपा का कब्जा

(शान्तिमोर्चा ब्यूरो)
लखनऊ।यूपी की 11 एमएलसी सीटों के नतीजे आ गए हैं। भाजपा ने 4 शिक्षक और 2 स्नातक, यानी कुल 6 सीटें जीती हैं। वहीं, सपा ने 2 शिक्षक और 3 स्नातक सीटों पर जीत हासिल की है। इस तरह भाजपा को 6 और सपा को 5 सीटें मिली हैं। सपा को 2 सीटों का फायदा हुआ है।

पहले 11 सीटों में से 6 भाजपा, 3 सपा, 1 शिक्षक दल और 1 निर्दलीय के पास थी। इस बार शिक्षक दल को एक भी सीट नहीं मिली।

नतीजों के बाद कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा, "मोदी जी, अभी तो केवल सारे गढ़ हारे हैं। बैलेट से चुनाव कराइए, पूरा देश हारेंगे।" कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि भगवान ने भाजपा को चढ़ावा चोरी की सजा



दी। उधर, काशी में भाजपा की हार पर लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय के बाहर पोस्टर लगाए गए। इनमें लिखा था, "अयोध्या जीते अवधेश पासी, आशुतोष–लालबिहारी जीते काशी।"

दरअसल, काशी में भाजपा को शिक्षक और स्नातक, दोनों सीटों पर फिर हार का सामना करना पड़ा है। यहां स्नातक सीट पर 50 घंटे से अधिक समय तक मतगणना चली। मतगणना केंद्र पर बुधवार देर शाम शुरू हुआ हंगामा रातभर जारी रहा। भाजपा प्रत्याशी केदारनाथ सिंह ने धरना भी दिया। हालांकि, गुरुवार सुबह भाजपा प्रत्याशी ने अपनी हार स्वीकार कर ली।

23 अक्टूबर को प्रदेश की 5 स्नातक और 6 शिक्षक एमएलसी सीटों के लिए मतदान हुआ था। चुनाव में कुल 152 प्रत्याशी मैदान में थे। मतगणना 27 अक्टूबर को सुबह 8 बजे शुरू हुई थी। दोनों चुनावों में करीब 14.81 लाख मतदाता थे, जिनमें से 8.18 लाख यानी 55: ने मतदान किया।

पीडीए गठबंधन की ताकत है यह जीत:डिम्पल यादव

डिंपल यादव ने X पर पोस्ट कर कहा कि सपा के पांच प्रत्याशियों की जीत PDA (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) गठबंधन की ताकत को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि शोषितों, वंचितों और युवाओं का भरोसा सपा के साथ है। दावा किया कि इन नतीजों से 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा की संभावनाएं मजबूत हुई हैं और पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने का रास्ता साफ हुआ है।

वाराणसी स्नातक सीट पर सपा के आशुतोष सिन्हा जीते

वाराणसी स्नातक सीट पर मतगणना पूरी हो गई है। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रत्याशी आशुतोष सिन्हा ने जीत दर्ज की है। उन्हें कुल 55,046 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी केदारनाथ सिंह को 35,114 वोट मिले। आशुतोष सिन्हा ने 19,923 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। उन्हें कुछ ही देर में जीत का प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

सुप्रिया श्रीनेत बोलीं– हिम्मत है तो कराइए बैलेट से चुनाव, हीरोबाजी निकल जाएगी

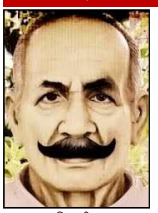
कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि बनारस, पटना और नागपुर जैसे भाजपा के गढ़ों में बैलेट से चुनाव होने पर पार्टी हार गई। सारे गढ़ ध्वस्त हो गए और भाजपा की हीरोबाजी निकल गई। टॉय–टॉय फिस्स हो गए। सुप्रिया ने चुनौती देते हुए कहा कि हिम्मत और दम है तो कराइए बैलेट से चुनाव। मोदी जी बड़ा ट्वीट–ट्वीट खेल रहे। अभी तो गढ़ हारे हैं, पूरे देश में हारना बाकी है।

अयोध्या–अम्बेडकरनगर की धरती संघर्षो की धरती रही है इस धरती पर आडम्बर और पाखण्ड वाद सपा के लिए कभी नहीं रहा फायदेमन्द

सपा से पीडीए समाज था आक्रोशित संजयन पहुंचे तीसरे स्थान पर

(शान्तिमोर्चा संवाद)
अयोध्या। अयोध्या–अम्बेडकरनगर की धरती लोहिया की धरती रही है इसीलिए इसे संघर्षो की धरती भी कहा जाता है। यहां पर संघर्ष के बल पर पीडीए समाज ने सामन्तों से सत्ता छीनी थी इस धरती पर सदैव आडम्बर व पाखण्डवाद तथा सामन्ती ताकते पीडीए समाज के संघर्ष के सामने टिक नहीं सकी। गोरखपुर–फैजाबाद शिक्षक एमएलसी चुनाव में वेतनभोगी शिक्षकों ने यह बता दिया कि इस धरती पर आडम्बर व पाखण्डवाद नहीं चलेगा। यही कारण रहा है कि संजय त्रिपाठी द्वारा भाजपा से टिकट न मिलने के कारण मजबूरी में समाजवादी पार्टी में शामिल होने से रातो रात मतदाता नहीं बदल सके और नवागत सपा प्रत्याशी संजयन त्रिपाठी तीसरे स्थान पर पहुंच गये। दूसरे स्थान पर पीडीए समाज के निर्दल प्रत्याशी राजीव यादव रहे जिन्हें 14580 मत मिले जबकि भाजपा प्रत्याशी

2027 के चुनाव का शुभारम्भ 2012 की तर्ज पर पुन:स्वतंत्रता संग्राम के महायोद्धा राजबली यादव की प्रतिमा से करने की उठी मांग



ध्रुव कुमार त्रिपाठी 14887 मत मिले। मात्र 307 वोट से चुनाव हारे।2027 के चुनाव को देखते हुए 2012 की तर्ज पर आजादी के पहले अंग्रेजो से संघर्ष करने वाले और आजादी के बाद सामन्तों से संघर्ष के बल पर विधायक बनने वाले स्वतंत्रता संग्राम के महायोद्धा राजबली यादव की समाधि स्थल अयोध्या पूराबाजार से करने की मांग जोर पकड़ रही है। समय रहते समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं व जनता की आवाज सपा के शीर्ष नेतृत्व तक कब पहुचेगी यह आने वाला समय बतायेगा।

ज्ञातव्य हो कि 2012 में सपा के चुनावी शंखनाद का आयोजन स्वतंत्रता संग्राम के महायोद्धा राजबली यादव के राजनैतिक वारिस सपा के पूर्व महासचिव स्व.राजबहादुर के नेतृत्व में फैजाबाद के पूर्वसांसद मित्रसेन यादव एंव अयोध्या के पूर्व विधायक द्वारा किया गया था जिसमें फैजाबाद अम्बेडकरनगर की 10 विधानसभाओं में से 9 पर समजवादी पार्टी के विधायक चुनकर विधानसभा पहुंचे थे। मात्र एक विधानसभा समाजवादी पार्टी हरी श्री वहें के प्रत्याशी का दुर्भाग्य रहा है कि वे स्व.राजबली यादव के चरणों की धूल नहीं ले सके थे। लोगो का मानना है इसीलिए समाजवादी पार्टी मात्र रूदौली विधानसभा हारी थी।

इंडिया ब्लाक में शामिल हो सकती है सीजेपी

कार्यकर्ताओं से मांगा फीडबैक, 1 नवंबर की रैली को समर्थन

नई दिल्ली(एजेंसी) ।कॉंकरोच जनता पार्टी (CJP) ने विपक्ष की 1 नवंबर को होने वाली रैली का समर्थन किया है। CJP नेता आशुतोष राकां ने कहा कि पार्टी के लोग रामलीला मैदान में होने वाली इस रैली में शामिल हो सकते हैं। CJP ने INDIA ब्लॉक में शामिल होने के संकेत भी दिए हैऔर इस पर अपने कार्यकर्ताओं से फीडबैक मांगा है।



दूसरीओर,राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्र संगठनों से भी 1 नवंबर के डिल्ली चलोमार्चमेंआनेकी अपील की है। उन्होंने X (ट्विटर) पर एक वीडियो जारी कर कहा कि पुलिस के लाठीचार्ज की चिंता न करें और घबराने की कोई जरूरत नहीं है।इस रैली की तैयारियों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर INDIA ब्लॉक की एक अहम बैठक हुई। इसमें प्रियंका गांधी वाड्रा समेत गठबंधन के कई बड़े नेता पहुंचे।

अयोध्या जीते अवधेश पासी आशुतोष–लालबिहारी जीते काशी, लखनऊ में लगे पोस्टर

लखनऊ में सपा मुख्यालय के सामने पोस्टर लगाया गया है। इसमें लिखा है, "PDA का संदेश, 2027 में आ रहे हैं श्री अखिलेश। अयोध्या जीते श्री अवधेश पासी, आशुतोष–लाल बिहारी जीते काशी।" पोस्टर सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव ने लगाया है। दरअसल, वाराणसी में शिक्षक और स्नातक, दोनों एमएलसी सीटों पर सपा ने जीत दर्ज की है।

पटाखों पर पूरे बैन के पक्ष में नहीं :सप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी) ।सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह पटाखों पर पूरी तरह रोक लगाने के पक्ष में नहीं है। कोर्ट ने अधिकारियों से आदेशों को जमीन पर लागू करने को कहा।

दिल्ली–एनसीआर में पटाखे जलाने से जुड़े मामले की सुनवाई जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने की।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दिल्ली सरकार और कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट की ओर से प्रदूषण रोकने के उपाय बताए। बेंच ने कहा, "जमीन पर लागू किए बिना आदेश और निर्देश देने का कोई मतलब नहीं है। ऐसा नहीं हुआ तो यह मजाक बन जाएगा।

यह मामला किसी के खिलाफ नहीं है। अधिकारियों को पटाखों को सही तरीके से नियंत्रित करना होगा। हम हर साल संतुलन बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन, सभी के सहयोग के बिना यह नहीं हो सकता।

हर साल आदेश देने का कोई मतलब नहीं है, अगर उन पर अमल नहीं होता। यह मुद्दा हर जीवित प्राणी से जुड़ा है।

शान्तिमोर्चा समाचार पत्र के सदस्य रहे किसानों के हित में काम करने वाले के.एम.शुगर मिल के अधिशाषी अधिकारी रोशलाल गुप्ता की श्रद्धाजंलि सभा,विचार गोष्ठी एंव सम्मान समारोह सम्पन्न

के.एम.शुगर मिल की नींव के ईंट थे स्व.रोशनलाल गुप्ता :फयाराम वर्मा

(शान्तिमोर्चा संवाद)
अयोध्या। के.एम.शुगर मिल्स मसौधा के पूर्व अधिशाषी अधिकारी लगभग 40 वर्षो तक मिल में विभिन्न पदों पर कार्यरत किसानों के हित में काम करने वाले मानव मूल्यों के साक्षात् प्रतिमूर्ति शान्तिमोर्चा हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के सदस्य रहे रोशनलाल गुप्ता की द्वितीय पुण्यतिथि श्रद्धाजंलि सभा,विचार गोष्ठी एंव सम्मान समारोह शान्तिमोर्चा समागार में सम्पन्न हुआ। अयोध्या जनपद के उत्कृष्ट गन्ना किसान पूर्व गन्ना चेयरमैन तथा तारून ब्लाक के ब्लाक प्रमुख फयाराम वर्मा ने स्व.रोशनलाल के चर्चा करते हुए कहा कि स्व. रोशनलाल गुप्ता के.एम.शुगर मिल के नींव की ईंट थे उनके बारे में जितना भी कुछ कहा जायेवोकमहै।

ज्ञातव्य हो कि आजादी के पहले 1942 में कानपुर में सिंघानिया एंव झुनझुनवाला द्वारा कमलापत मोतीलाल के नाम से शुगर मिल की स्थापना की गई थी। गन्ने की कमी के नाते इस मिल को 1949–50 में फैजाबाद जनपद के के.एम.शुगर मिल्स के नाम से स्थापना की गई। जो पूर्वांचल के किसानो के लिए वरदान साबित हुई। इस मिल में कुछ कर्मचारी नींव की ईंट के रूप में जाने जाते है जिसमें एक नाम प्रमुख रूप से रोशन लाल गुप्ता का है। जिनका जन्म राजस्थान में हुआ था और ये 1965 में के.एम.शुगर मिल्स में केमिस्ट के पद से सेवा भाव से सेवा शुरू की और अधिशाषी अधिकारी के पद तक पहुंचे। सरल स्वभाव के धनी कर्मयोग के सिद्धान्त को अपने जीवन में उतारने वाले रोशन लाल गुप्ता अपने 36 साल के कार्यकाल के दौरान यो किसानो के सच्चे हितैषी के रूप में अपने को स्थापित किया। स्व.रोशन लाल गुप्ता का स्वर्गवास 29 अक्टूबर 2024 को हो गया था तब से शान्तिमोर्चा समाचार पत्र परिवार उनकी पुण्यतिथि हर वर्ष मनाता आ रहा है।

सपा मुखिया की सटीक रणनीति से ढहे भाजपा के अभेद्य किले

(शान्तिमोर्चा ब्यूरो)
लखनऊ।उत्तर प्रदेश विधान परिषद (MLC) की शिक्षक और स्नातक खंड की सीटों के चुनाव परिणामों ने सूबे की सियासत में एक नई इबारत लिख दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की दूरदर्शी और अचूक रणनीति के चलते इस बार यूपी MLC चुनाव में हवा का रुख पूरी तरह से समाजवादी पार्टी (सपा) की तरफ बहता दिखा। अखिलेश यादव के कुशल नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने न सिर्फ शानदार प्रदर्शन किया, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सबसे मजबूत गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों में भी ऐतिहासिक सेंधमारी की है।

अखिलेश यादव ने जिस तरह से जमीनी मुद्दों को उठाकर और उम्मीदवारों का सही चयन करके यह ताना–बाना बुना, उसी का नतीजा है कि समाजवादी पार्टी ने कुल 5 सीटों पर अपना परचम लहरा दिया।



सपा ने इन चुनावों में अपनी ताकत दिखाते हुए भाजपा के प्रभाव वाले इलाकों वाराणसी, आगरा, प्रयागराज और लखनऊ में एकतरफा माहौल को बदलते हुए बड़ी जीत दर्ज की।

अखिलेश यादव की वो रणनीतियां, जिसने भाजपा को चौंकाया:

भाजपा के गढ़ में बड़ी सेंधमारी: अखिलेश यादव की कुशल रणनीति का सबसे बड़ा प्रमाण वाराणसी और आगरा खंड की सीटों पर दिखा, जहां भाजपा बेहद मजबूत मानी जाती थी। सपा ने वाराणसी खंड स्नातक सीट पर श्री आशुतोष सिन्हा और वाराणसी खंड शिक्षक सीट पर श्री लाल बिहारी यादव के जरिए शानदार जीत हासिल की। वहीं इलाहाबाद–झांसी खंड स्नातक सीट से डॉ. मान सिंह यादव और लखनऊ खंड स्नातक सीट से श्रीमती कान्ति सिंह ने जीत का परचम लहराया।

निर्दलीयों के गढ़ पर कब्जा: सपा ने गोरखपुर–फैजाबाद शिक्षक खंड और आगरा शिक्षक खंड की सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। गौर करने वाली बात यह है कि पिछले चुनाव में इन दोनों ही सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी MLC बने थे (गोरखपुर में शर्मा गुट के कैंडिडेट और आगरा में निर्दलीय)। इस बार अखिलेश यादव की रणनीति के आगे ये किले पूरी तरह ढह गए और आगरा खंड शिक्षक सीट पर सपा के डॉ. आकाश अग्रवाल ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

गोरखपुर में खड़ी की कड़ी चुनौती: मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र गोरखपुर में भले ही सपा के संजयन त्रिपाठी मामूली अंतर से चूक गए हों, लेकिन वहां भाजपा के बागी को उनके सामने मजबूती से खड़ा करके अखिलेश यादव ने सत्ता पक्ष की राह बेहद मुश्किल कर दी। सपा और भाजपा के बीच जहां भी सीधी टक्कर हुई, वहां जीत–हार का अंतर बहुत ही कम रहा।

5 दशकों में पहली बार: शिक्षक गुट का पूरी तरह सफाया

उत्तर प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में पिछले 5 दशकों में पहली बार ऐसा हुआ है कि शिक्षकों के इस पारंपरिक चुनाव में शिक्षक गुट (शर्मा गुट) का एक भी प्रत्याशी अपनी सीट नहीं बचा सका। शिक्षक वर्ग ने इस बार निर्दलीयों और पुराने गुटों को नकारते हुए अखिलेश यादव के प्रगतिशील नेतृत्व और समाजवादी पार्टी की नीतियों पर अपनी मुहर लगाई है। नतीजे साफ बताते हैं कि उत्तर प्रदेश के प्रबुद्ध शिक्षक और स्नातक वर्ग ने सपा की नीतियों को खुले दिल से स्वीकारा है।

इन नतीजों के बाद सत्ताधारी दल भाजपा का रिकॉर्ड पूरी तरह से ठहर गया है। भाजपा 2020 के चुनाव की तरह इस बार भी महज 6 सीटों पर ही सिमट कर रह गई, उसका रिकॉर्ड न बढ़ सका और न घट सका। सपा की इस धमाकेदार एंट्री ने भाजपा को नए सिरे से अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर कर दिया है।

सपा की इस अप्रत्याशित और शानदार बढ़त से भाजपा खेमे में आत्ममंथन का दौर शुरू होगया है। यहांतक कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को भी यह स्वीकार करना पड़ा कि, ष्सपा उन जगहों पर भी जीत गई, जहां उन्हें नहीं जीतना था...। इन नतीजों को राजनीतिक विश्लेषक आगामी विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव की एक बड़ी राजनीतिक विजय के रूप में देख रहे हैं।

सपा ने रचा इतिहास, दशकों पुराने 'शिक्षक गुट' का हुआ सूपड़ा साफ



श्रीमती कान्ति सिंह
लखनऊ खण्ड स्नातक



श्री लाल बिहारी यादव
वाराणसी खण्ड शिक्षक



डॉ. आकाश अग्रवाल
आगरा खण्ड शिक्षक



श्री आशुतोष सिन्हा
वाराणसी खण्ड स्नातक



डॉ. मान सिंह यादव
झाँसी - प्रयागराज खण्ड स्नातक

एमएलसी मान सिंह धरने पर बैठे

TGT–PGT अभ्यर्थियों ने कफन ओढ़कर नारेबाजी की, पुरानी नियमावली में एक मौके की मांग



(शान्तिमोर्चा संवाद)

प्रयागराज। प्रयागराज में TGT&PGT भर्ती की पुरानी नियमावली के तहत एक मौका देने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन गुरुवार को भी जारी है। शिक्षा निदेशालय के बाहर धरना दे रहे अभ्यर्थियों ने एजी ऑफिस रोड ब्लॉक कर दी। कफन ओढ़कर आयोग के खिलाफ नारेबाजी की।

अभ्यर्थियों का आरोप है कि प्रशासन ने कुछ साथियों को निदेशालय परिसर में जाने से रोक दिया और गेट पर ताला लगा दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पहले अफसरों ने मुख्यमंत्री तक उनकी मांग पहुंचाने का भरोसा दिया था, लेकिन अब तक लिखित आदेश जारी नहीं हुआ।

धरने के दौरान एक अभ्यर्थी की तबीयत बिगड़ने पर उसे एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। सपा एमएलसी डॉ. मान सिंह यादव और प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल भी धरनास्थल पर पहुंचे और अभ्यर्थियों की मांगों का समर्थन किया।

अभ्यर्थी सुशील कुमार यादव ने कहा कि पिछली बार डीएम और कमिश्नर ने लिखित आश्वासन देकर अनशन खत्म कराया था, लेकिन मांगों पर फैसला नहीं हुआ। इसी वजह से दोबारा आंदोलन करना पड़ा। उन्होंने 50: की बाध्यता, ज्ज्ज्-और सिंगल सब्जेक्ट से जुड़ी शर्तें हटाकर पुरानी नियमावली बहाल करने की मांग की। उनके मुताबिक, इन बदलावों से लाखों अभ्यर्थी प्रभावित हो रहे हैं। मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।अभ्यर्थी आदित्य ने कहा कि 2022 की ज्ज्ज्-भर्ती में अंग्रेजी भाषा से तीन साल पढ़ाई करने वाले अभ्यर्थी आवेदन के पात्र थे। अब नई नियमावली का हवाला देकर अंग्रेजी भाषा के अभ्यर्थियों को फॉर्म भरने से रोका जा रहा है। उन्होंने छब्ज्-के नियमों का हवाला देते हुए मांग की कि योग्यता में अंग्रेजी भाषा और अंग्रेजी साहित्य की अलग–अलग शर्तें हटाकर सिर्फ अंग्रेजी लिखा जाए। उनके मुताबिक, इससे करीब 8 से 10 हजार अभ्यर्थी प्रभावित हो रहे हैं।

नई नियमावली से 8 लाख अभ्यर्थियों के प्रभावित होने का दावा

डॉ. मान सिंह यादव ने कहा कि जीत के बाद माला पहनने के बजाय उन्होंने अभ्यर्थियों के बीच पहुंचना जरूरी समझा। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि परीक्षा की नियमावली बीच में बदलने से अभ्यर्थियों के भविष्य पर असर पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि नई नियमावली से करीब 8 लाख अभ्यर्थी प्रभावित हो सकते हैं।TGT&PGT भर्ती की पुरानी नियमावली को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी राकेश ने कहा कि वे पिछले 4 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। रात में 100 से 150 साथी शिक्षा निदेशालय परिसर में रुकते थे, जहां दूर–दराज से आए अभ्यर्थियों के रहने की व्यवस्था हो जाती थी। राकेश का आरोप है कि गुरुवार सुबह जब साथी अंदर जाने लगे, तो प्रशासन ने गेट बंद कर दिया और प्रवेश देने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को न बाहर बैठने दिया जा रहा है और न अंदर जाने दिया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी मांगों के लिए आंदोलन करना क्या अपराध है?अभ्यर्थी आशुतोष पांडेय ने कहा कि वे तीन–चार दिन से धरना दे रहे हैं। उनके मुताबिक, डीएम और पुलिस कमिश्नर ने मुख्यमंत्री के पास प्रतिनिधिमंडल भेजने और न्याय दिलाने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ साथी निदेशालय के अंदर बैठे थे, तभी बैरिकेडिंग कर गेट पर ताला लगा दिया गया। इसके विरोध में उन्होंने और दूसरे अभ्यर्थियों ने कफन ओढ़ लिया। आशुतोष ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो वे हाईवे पर सामूहिक आत्मदाह करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि जब आश्वासन दिया गया था, तो न्याय क्यों नहीं मिला।अभ्यर्थी संदीप पाल ने बताया कि आंदोलन के दौरान एक छात्र की तबीयत बिगड़ गई। एसीपी और सीओ के आने पर छात्र तेज आवाज में नारेबाजी कर रहा था, तभी वह गिर पड़ा। उसने सांस लेने में परेशानी और सीने में तेज दर्द होने की बात कही। संदीप के मुताबिक, साथियों ने करीब 5 मिनट तक ब्ब्द किया। इसके बाद कुछ राहत मिलने की बात कहने पर उसे एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, छात्र को हार्ट अटैक आने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।



बैरिकेडिंग तोड़कर परिसर में घुसे थे अभ्यर्थी

अभ्यर्थी सोमवार से शिक्षा निदेशालय के मुख्य गेट के बाहर सड़क पर धरना दे रहे थे। मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे लगभग 200 प्रतियोगियों ने पुलिस की चार–स्तरीय बैरिकेडिंग तोड़कर परिसर में प्रवेश कर लिया। इसके बाद उन्होंने निदेशालय के अंदर ही धरना शुरू कर दिया।

अभ्यर्थियों के परिसर में पहुंचने के बाद सुरक्षा के मद्देनजर निदेशालय के कई विभाग बंद रखे गए। अधिकारी और कर्मचारी भी कार्यालय नहीं पहुंचे। बुधवार को भी प्रदर्शनकारी परिसर में डटे रहे, जिससे कामकाज प्रभावित हुआ।

गेट पर बैठे अभ्यर्थी अंदर जाने की मांग कर रहे

गुरुवार को भी आंदोलन जारी है। कुछ प्रतियोगी शिक्षा निदेशालय परिसर के अंदर धरने पर बैठे हैं, जबकि अन्य मुख्य गेट पर मौजूद हैं। गेट पर बैठे अभ्यर्थी पुलिस से प्रवेश देने की मांग कर रहे हैं, ताकि वे अपने साथियों के साथ आंदोलन में शामिल हो सकें।

प्रदर्शनकारियों ने साफ किया है कि पुरानी नियमावली के तहत प्रभावित अभ्यर्थियों को एक अवसर देने की मांग पर लिखित निर्णय मिलने तक वे धरना खत्म नहीं करेंगे।

मतदेय स्थलों के बंटवारे पर सुझावों की जांच हुई

डीएम ने जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों को कार्रवाई की जानकारी दी

(शान्तिमोर्चा संवाद)

मेरठ। मेरठ कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में मतदेय स्थलों के बंटवारे पर बैठक हुई। इसमें जनप्रतिनिधि और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में मतदेय स्थलों के बंटवारे की सूची पर मिले दावों और आपत्तियों के बाद की गई कार्रवाई की जानकारी दी गई। जनपद की सभी विधानसभाओं के लिए मिले सुझावों और आपत्तियों पर चर्चा हुई।

जिलाधिकारी ने बताया कि हर विधानसभा से मिले सुझावों और आपत्तियों की संबंधित ईआरओ ने जांच की। इसके बाद नियमों के अनुसार जरूरी कार्रवाई की गई।उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों का पूरी तरह पालन करते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी कार्रवाई की जानकारी दी गई।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) और उप जिला निर्वाचन अधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट, सभी ईआरओ, मेरठ शहर के विधायक, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

आजम खान को जमानत, लेकिन बाहर आना मुश्किल :बेटा भी जेल से छूटेगा

2 पैन कार्ड मामले में 10 साल की सजा सस्पेंड

(शान्तिमोर्चा संवाद)

यूपी। सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला की 10 साल की सजा को हाईकोर्ट ने सस्पेंड कर दिया। दोनों को जमानत भी दे दी। गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2 पैन कार्ड मामले में यह फैसला सुनाया। हालांकि, कोर्ट ने दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद अब्दुल्ला के जेल से बाहर निकलने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, आजम अभी जेल से बाहर आएंगे या नहीं, यह साफ नहीं है। वजह, आजम के खिलाफ अभी 2 केस पेंडिंग हैं।आजम के खिलाफ एक मामला ईडी ने हाल ही में दर्ज किया है। दूसरा एक मामला 10 सितंबर का है, जिसमें यूपी विजिलेंस ने आजम के खिलाफ केस दर्ज किया था। अगर इन मामलों में पुलिस वारंट–बी नहीं लेती है, तो आजम जेल से बाहर आ सकते हैं।



आजम ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी

आजम को बेटे अब्दुल्ला के 2 पैन कार्ड मामले में रामपुर की एमपी–एमएलए कोर्ट ने दोषी ठहराया था। 17 नवंबर, 2025 को कोर्ट ने दोनों को 7–7 साल की सजा सुनाई थी।

5 मई, 2026 को सरकार के वकील ने सजा बढ़ाने के लिए रामपुर की अपर कोर्ट में अपील दाखिल की थी। इसके बाद कोर्ट ने 23 मई, 2026 को आजम की सजा को 3 साल बढ़ाकर 10 साल कर दिया था। अब्दुल्ला की सजा को कोर्ट ने नहीं बढ़ाया था।

आजम ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसमें दोषसिद्धि पर रोक लगाने, सजा सस्पेंड करने और अंतरिम जमानत पर रिहा करने की अपील की थी। 15 अक्टूबर को बहस के बाद हाईकोर्ट के जस्टिस समित गोपाल की सिंगल बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

क्या है 2 पैन कार्ड का मामला?

2019 में दर्ज हुआ था मुकदमा

इस मामले की शुरुआत साल 2019 में रामपुर के सिविल लाइंस थाने में दर्ज एफआईआर से हुई थी। भाजपा नेता आकाश सक्सेना की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। साल– 2017 में बसपा प्रत्याशी नवाब काजिम अली खान उर्फ नवेद मियां ने भी इस बारे में शिकायत की थी।आरोप था कि अब्दुल्ला आजम के पास अलग–अलग जन्मतिथि वाले 2 पैन कार्ड थे। एक पैन कार्ड में जन्मतिथि 1 जनवरी, 1993 और दूसरे में 30 सितंबर, 1990 दर्ज थी।

5 करोड़ कैश जमीन में गड़ा मिला

3 नीले ड्रमों में भरी थीं 500–500 के नोटों की गड्डियां, 40 पुलिसवालों ने घर घेरा

(शान्तिमोर्चा संवाद)

यूपी। पुलिस ने 2 सगे भाइयों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की। वहीं, आयकर विभाग की टीम आज (29 अक्टूबर) इन नोटों की गिनती करेगी। मामला जिला मुख्यालय से 32झज दूर रामनगर गांव का बुधवार का है।

पुलिस ने गांव की बिजली काटकर मारी रेड

नवाबगंज इलाके के बरईपुर गांव में राकेश यादव उर्फ महाकाल का पुश्तैनी मकान है। पुलिस को राकेश के घर में चोरी के रुपए जमीन में गाड़कर रखने का इनपुट मिला था। यह बात पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया तक पहुंची।

इसके बाद बुधवार शाम 6 बजे डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार और एडीसीपी गंगानगर पुष्कर वर्मा समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इससे पहले पुलिस ने पूरे गांव की बिजली कटवा दी। फिर सर्च अभियान शुरू किया।

साढ़े 4 घंटे तक चला सर्च अभियान

पुलिस के मुताबिक, घर की तलाशी के दौरान जमीन में दबाकर रखे गए 3 नीले ड्रम मिले। इसमें कपड़े से कवर करके नोटों की गड्डियां रखी गई थीं। पुलिस ने कैश को कब्जे में लेकर सील कर दिया और घर की घेराबंदी कर दी।



इस दौरान सोरांव के एसीपी श्यामजीत प्रमिला सिंह भी मौजूद रहे। करीब साढ़े 4 घंटे तक घर में सर्च अभियान चलाने के बाद पुलिस साढ़े 10 बजे लौट गई। पुलिस ने राकेश यादव के भाई बबलू को भी हिरासत में लिया है। साथ ही पूरे परिवार को पुलिस टीमें अपने साथ ले गई हैं।

अभी भी घर के चारों तरफ 40 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात हैं। घर के साथ उसके बाग और खाली जमीन पर भी पुलिस ने रिबन बांध दिया है।

गांववालों ने बताया– राकेश यादव कई साल पहले पुणे में अपने बहनोई और साले के साथ रहकर एक सर्राफा व्यापारी के घर काम करता था। कोविड के समय वह घर चला आया।

इसके बाद उसने 22 बीघा जमीन खरीदी। इसकी कीमत 10 करोड़ रुपए से ज्यादा थी। फिर करीब 1 करोड़ रुपए लगाकर घर बनवाया। दो ट्रैक्टर के साथ व्क्स और पिकअप खरीदा। फिर यहीं पर सीमेंट–सरिया का कारोबार करने लगा।

5 से 6 दिन पहले राकेश का पड़ोस में रहने वाले कुछ लोगों से झगड़ा हो गया था। इसके बाद उसके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई थी।

इस मामले में थाने के एक दरोगा जांच करने पहुंचे थे। उनसे राकेश यादव की हॉट टॉक हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की, तो घर के अंदर करोड़ों रुपए छिपाने की कहानी सामने आई।

राकेश 2 भाइयों के साथ गांव में रहता है

राकेश 6 भाई है। इनमें राकेश, राजेश और लवकुश तीनों गांव में रहते हैं। जबकि छोटू, राजेंद्र, अभिषेक बाहर रहते हैं। पिता राम आधार की मौत हो चुकी है।

डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार ने बताया–

बुधवार को रात होने की वजह से सर्च ऑपरेशन रोक दिया गया था। राकेश के घर के आसपास पुलिस तैनात की गई है।

जमीन के नीचे दबाए गए तीन ड्रमों से करोड़ों रुपए मिले हैं।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में दो नए रिकॉर्ड बने

दूसरे दिन ट्रैक और साइकिलिंग कॉम्पिटिशन मेरठ और वाराणसी के खिलाड़ियों ने पदक जीते

(शान्तिमोर्चा संवाद)

लखनऊ। लखनऊ 35वीं वाहिनी पीएसी महानगर में चल रही 74वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक एथलेटिक्स क्लस्टर प्रतियोगिता–2026 के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने ट्रैक और साइकिलिंग में दमखम दिखाया। मेरठ और वाराणसी जोन के खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। प्रतियोगिता में दो स्पर्धाओं में नए रिकॉर्ड भी बने।

महिला 400 मीटर दौड़ में लखनऊ जोन की मीनू साहू ने 54.36 सेकंड में दौड़ पूरी कर नया कीर्तिमान बनाया। उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। मेरठ जोन की योगेश कुमारी दूसरे और टीना तीसरे स्थान पर रहीं।

पुरुष 3000 मीटर स्टीपलचेज में प्रयागराज जोन के आशीष पाल ने 8 मिनट 44.14 सेकंड का समय निकालकर नया रिकॉर्ड बनाया।लखनऊ के विशाल यादव दूसरे और वाराणसी के राघव तीसरे स्थान पर रहे।

साइकिलिंग में मेरठ के



खिलाड़ियों का जलवा

महिला 30 किमी साइकिलिंग में मेरठ की आरती ने 50 मिनट 11.20 सेकंड में पहला स्थान हासिल किया। गोरखपुर की मायावती दूसरे और मेरठ की बुलबुल तीसरे स्थान पर रहीं।महिला 100 मीटर बाधा दौड़ में मेरठ की अन्नू ने स्वर्ण जीता। आगरा की सोनिया चौधरी दूसरे और लखनऊ की संजू तीसरे स्थान पर रहीं।

त्रिकूद में मेरठ की खुशबू वर्मा ने 11.95 मीटर की छलांग लगाकर पहला स्थान हासिल किया। हैमर थ्रो में मेरठ की प्रीति ने 56.56 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण जीता। वाराणसी की कोमल मिश्रा 55.46 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।महिला स्टीपलचेज में मेरठ की शैली धामा पहले, काजल शर्मा दूसरे और लखनऊ की रक्षा परिहार तीसरे स्थान पर रहीं।

पुरुष वर्ग में भी मेरठ आगे

40 किमी साइकिलिंग में मेरठ जोन ने तीनों पदक अपने नाम किए। केशव शर्मा 53 मिनट 35 सेकंड के समय के साथ पहले, मुकुल दूसरे और वीरेश तीसरे स्थान पर रहे। 110 मीटर बाधा दौड़ में लखनऊ के सचिन कुमार ने 14.80 सेकंड में बाजी मारी।

400 मीटर दौड़ में वाराणसी के शिवांग मिश्रा 47.94 सेकंड के समय के साथ पहले रहे।मेरठ के लविश दूसरे और नदीम तीसरे स्थान पर रहे। डिस्कस थ्रो में वाराणसी के दीपक यादव ने 54.58 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण जीता। मेरठ के अनुराग दूसरे और आशीष तीसरे स्थान पर रहे।

यूपी की परिषदीय स्कूलों में 17 नवंबर से अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं

कक्षा 1 का मौखिक तो, कक्षा 2,8 तक 50 अंकों का होगा लिखित पेपर

(शान्तिमोर्चा संवाद)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिषदीय और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2026–27 की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। कक्षा 1 से 8 तक की परीक्षाएं 17 नवंबर से शुरू होकर 21 नवंबर तक चलेंगी। परीक्षा दो पालियों में कराई जाएगी। पहली पाली सुबह 9ः30 से 11ः30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 12:30 से 2:30 बजे तक निर्धारित की गई है।

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, कक्षा 1 की अर्द्धवार्षिक परीक्षा मौखिक होगी। कक्षा 2 से 5 तक लिखित और मौखिक, दोनों तरह की परीक्षाएं होंगी। वहीं, कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा कराई जाएगी।



जिले स्तर पर तैयार होंगे प्रश्नपत्र

परीक्षा के लिए मॉडल प्रश्नपत्रों का निर्माण संबंधित जिले के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) की ओर से किया जाएगा। इसके बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की देखरेख में प्रश्नपत्रों का समय से मुद्रण कराया जाएगा। विद्यालय स्तर पर प्रश्नपत्रों का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कक्षा 2 से 8 तक की लिखित अर्द्धवार्षिक परीक्षा 50 अंकों की होगी। प्रश्नपत्र में बहुविकल्पीय, अति लघु उत्तरीय, लघु उत्तरीय और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न शामिल किए जाएंगे। प्रश्नों का अंक विभाजन निर्धारित प्रारूप के अनुसार होगा।

कक्षा 2 और 3 में अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में, लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 10 शब्दों में और दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में देने होंगे। कक्षा 4 और 5 में उत्तरों की शब्द सीमा क्रमशः 1, 25 और 40 शब्द निर्धारित की गई है। कक्षा 6 से 8 तक उत्तरों की शब्द सीमा क्रमशः 1, 35 और 75 शब्द होगी।

एमएलसी चुनाव की तुलना विधानसभा से करना बेमानी

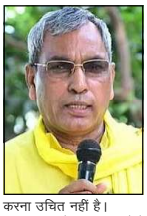
2027 में हारेगी सपा : राजभर

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अम्बेडकरनगर। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने एमएलसी चुनाव के नतीजों को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सीमित मतदाताओं वाले एमएलसी चुनाव की तुलना विधानसभा चुनाव से करना बेमानी है।

राजभर ने विपक्ष के ईवीएम और बैलेट पेपर को लेकर रुख पर सवाल उठाए। साथ ही सपा के पीडीए नारे पर भी निशाना साधते हुए दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भी विपक्ष को हार का सामना करना पड़ेगा। राजभर ने कहा कि एमएलसी चुनाव में करीब 14 लाख मतदाता थे, जिनमें से लगभग छह लाख लोगों ने मतदान किया। वहीं, विधानसभा चुनाव में 14 करोड़ से अधिक मतदाता होते हैं और आठ करोड़ से ज्यादा लोग वोट डालते हैं।

उन्होंने कहा कि आवास, शौचालय, पेंशन और आयुष्मान कार्ड जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले बड़ी संख्या में आम मतदाता एमएलसी चुनाव में मतदान के पात्र नहीं थे। ऐसे में दोनों चुनावों के नतीजों के आधार पर विधानसभा चुनाव का आंकलन



करना उचित नहीं है।

विपक्ष के चुनावी आरोपों पर पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि ईवीएम और वोट चोरी पर सवाल उठाने वाले नेताओं को बैलेट पेपर से हुए चुनावों के नतीजों पर भी अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

उन्होंने समाजवादी पार्टी के पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के नारे पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि पार्टी जातिवाद की राजनीति करती है।

गोरखपुर एमएलसी चुनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने संजय त्रिपाठी और निर्दलीय प्रत्याशी राजीव यादव को लेकर भी सपा पर आरोप लगाए।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाजपा के चुनावों में कमजोर होने और धांधली के आरोपों पर राजभर ने कहा कि यदि विपक्ष को चुनाव में गड़बड़ी की शिकायत है तो उसके 37 सांसदों और 111 विधायकों को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल बयानबाजी कर रहा है।

राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव हार चुकी है और 2027 में भी उसे हार का सामना करना पड़ेगा। उनके इस बयान के बाद एमएलसी चुनाव के नतीजों और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश की राजनीति में सियासी बयानबाजी तेज होने के संकेत हैं।

जनपद एक नजर में

भाजपा ने अनूप सिंह और श्यामनाथ को पद सौंपा

अंबेडकरनगर। भाजपा ने अनूप सिंह पिंटू और श्यामनाथ शुक्ला को किसान मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष बनाया है। दोनों आलापुर सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र के रहने वाले हैं। अनूप सिंह पिंटू अन्नापुर ग्राम पंचायत के निवासी हैं। वे भदोही और गाजीपुर में भाजपा के विस्तारक के रूप में काम कर चुके हैं। उन्होंने भाजपा काशी प्रांत के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभाली है। श्यामनाथ शुक्ला गोल्हवां गांव के निवासी हैं। पार्टी ने उन्हें दूसरी बार किसान मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष बनाया है।

9 फीट का मिला अजगर

अंबेडकर नगर। जहांगीरगंज ब्लॉक के समडीह गांव में करीब 9 फीट लंबा अजगर मिला। ग्रामीण रिंकू सिंह ने इसकी सूचना पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रविन्द्र कुमार चक्रवर्ती को दी।



डॉ. चक्रवर्ती अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और वन विभाग को सूचना दी। अजगर का वजन करीब 60 किलो था। जांच में पता चला कि वह घायल है। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। डॉ. चक्रवर्ती और उनकी टीम ने अजगर को रेस्क्यू किया और उसका इलाज किया। इसके बाद उसे वन विभाग को सौंप दिया गया। वन विभाग उसे सुरक्षित जगह ले गया। मौके पर रिंकू सिंह, अर्चना सिंह और पिंका समेत ग्रामीण मौजूद थे। ग्रामीणों ने रेस्क्यू और इलाज के लिए डॉ. चक्रवर्ती की सराहना की।

जहांगीरगंज और नरियांव में अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर आरोप

अम्बेडकरनगर। जहांगीरगंज नगर पंचायत क्षेत्र, जहांगीरगंज बाजार और नरियांव बाजार में कुछ अल्ट्रासाउंड और एक्स–रे केंद्र बिना वैध पंजीकरण चलाए जाने के आरोप हैं। मरीजों से सोनोग्राफी के नाम पर मनमानी फीस लेने की शिकायत भी की गई है। इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सूत्रों के मुताबिक, कुछ केंद्रों के संचालकों की शैक्षिक योग्यता और तकनीकी जानकारी पर भी सवाल उठे हैं। संबंधित केंद्रों के पंजीकरण की स्थिति और आरोपों की जांच होना बाकी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अम्बेडकरनगर से मांग की गई है कि जहांगीरगंज और नरियांव बाजार के अल्ट्रासाउंड और एक्स–रे केंद्रों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। जांच में पंजीकरण, जरूरी योग्यता, तकनीकी मानकों और मरीजों से लिए जा रहे शुल्क की पड़ताल करने की मांग है। शिकायत में कहा गया है कि जांच में गड़बड़ी मिलने पर संबंधित केंद्रों के खिलाफ नियमों के मुताबिक कार्रवाई की जाए।

बारिश से सड़क पर मिट्टी के कारण फिसलन बढ़ी

अंबेडकर नगर में शारदा सहायक नहर किनारे की सड़क पर बच्चे गिर रहे, खनन विभाग ने खुदाई की मिट्टी डाली

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अम्बेडकरनगर। हल्की बारिश के बाद शारदा सहायक नहर किनारे की सड़क पर फिसलन बढ़ गई है। सड़क पर खनन के दौरान डाली गई मिट्टी के कारण लोगों को आने–जाने में परेशानी हो रही है। खनन विभाग ने नहर की खुदाई के दौरान मिट्टी सड़क पर डाल दी, जिससे बारिश के बाद फिसलन बढ़ गई है। यह सड़क झामबाबा, सैदही, दौलताबाद, मजीरा और जल्दीपुर के स्कूलों को जोड़ती है, और यहां से गुजरने वाले बच्चे फिसलकर गिर रहे हैं। शिक्षक भी परेशान हैं।



स्थानीय लोगों का कहना है कि नहर की खुदाई के दौरान खनन विभाग ने सड़क का ध्यान नहीं रखा और मिट्टी सड़क पर डाल दी। बारिश के बाद सड़क पर फिसलन बढ़ गई। लोगों ने कहा कि अगर सड़क की मरम्मत नहीं हुई, तो कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

दौलताबाद, मजीरा और जल्दीपुर के स्कूलों को जोड़ती है। यहां से गुजरने वाले बच्चे फिसलकर गिर रहे हैं। यह सड़क झामबाबा, सैदही, दौलताबाद, मजीरा और जल्दीपुर के स्कूलों को जोड़ती है। यहां से गुजरने वाले बच्चे फिसलकर गिर रहे हैं।

सितंबर में अम्बेडकरनगर में टीबी के 359 नए मिले मरीज

2,420 सक्रिय मरीजों का इलाज जारी, 15 हाईटेक मशीनें संचालित

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अम्बेडकरनगर। सितंबर में टीबी के 359 नए मरीज मिले। फिलहाल 2,420 सक्रिय मरीजों का इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग मरीजों की पहचान और इलाज के लिए काम कर रहा है। डॉ. जय प्रकाश ने बताया कि जिले में 11 टीबी यूनिट और 23 जांच केंद्र चल रहे हैं। मरीजों की पहचान के लिए 15 आधुनिक जांच मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। टीबी संक्रामक बीमारी है। फेफड़ों की टीबी



से पीड़ित व्यक्ति के खांसने, छींकने या बोलने पर हवा में फैले संक्रमित कणों से दूसरे लोग भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग लोगों से कह रहा है कि दो सप्ताह या उससे ज्यादा समय तक खांसी रहे, बुखार आए, रात में पसीना हो, वजन घटे या लगातार कमजोरी महसूस हो तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं। टीबी की पुष्टि होने पर डॉ. की सलाह के अनुसार नियमित दवा लें और इलाज बीच में न छोड़ें। पूरा इलाज लेने से टीबी ठीक हो सकती है संक्रमण फैलने का खतरा कम हो सकता है।

खाद नहीं बांटने पर 12 सचिव निलंबित

एआर कोऑपरेटिव ने 6 अन्य सचिवों का वेतन रोका

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अम्बेडकरनगर। किसानों को खाद उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतने पर सहकारी समितियों के सचिवों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। एआर कोऑपरेटिव राघवेंद्र शुक्ला ने बुधवार देर शाम 12 सचिवों को निलंबित कर दिया, जबकि छह अन्य सचिवों का वेतन रोक दिया गया है। विभागीय जांच और कार्रवाई से सहकारी समितियों में खलबली मची है।

विभागीय कार्रवाई की मुख्य वजह समितियों के रिकॉर्ड खुले होने के बावजूद किसानों को उर्वरक का वितरण नहीं करना है। किसानों को समय पर खाद



उपलब्ध कराना समितियों की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद वितरण में लापरवाही सामने आने पर संबंधित सचिवों पर कार्रवाई की गई।

एआर कोऑपरेटिव के अनुसार, वहोरिकपुर, पिगरियावां, सिझौली, महरुआ गोला, सुमेरपुर, औरंगनगर, देवरिया पंडित, मडहरा पकड़ी, खजुरी करौंदी, मखदूमनगर, उतरेथू, जगुई, भीटी, मालीपुर, रेवई, बसईया और गंगासागर सहकारी समितियों के सचिवों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। विभाग ने 12 सचिवों को निलंबित किया है।

खाद वितरण में लापरवाही के मामले में छह अन्य सचिवों का वेतन रोकने की कार्रवाई की गई है। इनमें वी–पैक्स अशरफपुर पचाउख, लालापुर, लोदीपुर, बड़ागांव, काजी, जियापुर और केशवपुर समितियों के सचिव शामिल हैं। विभाग ने इन समितियों में उर्वरक वितरण की स्थिति को लेकर कार्रवाई की है।

एआर कोऑपरेटिव राघवेंद्र शुक्ला ने बताया कि उर्वरक वितरण में लापरवाही मिलने पर 12 सचिवों को निलंबित किया गया है, जबकि छह सचिवों का वेतन रोका गया है। विभाग का कहना है कि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

34 किसानों ने गेहूं, चना, मटर, मसूर और सरसों के बीजों की किया बुकिंग

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अम्बेडकरनगर। कटेहरी क्षेत्र के बसंतपुर गांव में गुरुवार को विकसित कृषि संकल्प एवं खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों के लिए गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम हुआ।

विधायक धर्मराज निषाद ने किसानों से दलहनी और तिलहनी फसलों की खेती बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण से खेती की लागत घट सकती है और आय बढ़ सकती है।

उप कृषि निदेशक डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आधुनिक कृषि यंत्रों पर



अनुदान पाने के लिए टोकन निकालने की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

कृषि यंत्रों के लिए 31 अक्टूबर को लॉटरी होगी। उन्होंने किसानों से इसमें हिस्सा लेने की अपील की। किसानों को गेहूं, चना, मटर, मसूर और सरसों के प्रमाणित बीजों पर मिलने वाले अनुदान के बारे में भी बताया गया।

कार्यक्रम में गांव के 34 किसानों ने रबी फसलों के बीज बुक कराए।

विधायक धर्मराज निषाद ने किसानों से गन्ने के साथ चना, सरसों और मसूर उगाने को कहा। उन्होंने कहा कि इससे खेती में विविधता आएगी और अतिरिक्त आय के मौके मिलेंगे।

उद्यान विभाग के वैज्ञानिकों ने रबी सीजन में गोभी, टमाटर, पालक, बैंगन और लहसुन उगाने की सलाह दी। उन्होंने फसलों के प्रमुख रोगों, उनके लक्षणों और बचाव के तरीकों की जानकारी भी दी।

उप कृषि निदेशक ने बताया कि 30 अक्टूबर को जिला मुख्यालय के कृषि भवन और सभी विकासखंडों में एलईडी टीवी के जरिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का सीधा प्रसारण होगा। इस दौरान खेत बचाओ अभियान के तहत भी किसानों को जागरूक किया जाएगा।

भाजपा ने आलापुर के तीन नेताओं को दी जिम्मेदारी

डा. पूनम राय अवध क्षेत्र की शोध प्रमुख बनीं, अनूप सिंह पिंटू और श्यामनाथ शुक्ला किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अम्बेडकरनगर। भाजपा ने आलापुर सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र के तीन नेताओं को संगठन में जिम्मेदारी दी है। डॉ. पूनम राय को भाजपा अवध क्षेत्र का शोध प्रमुख बनाया गया है। अनूप सिंह पिंटू और श्यामनाथ शुक्ला को भाजपा किसान मोर्चा, अम्बेडकरनगर का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

नियुक्तियों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने तीनों नेताओं को बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने इसे आलापुर के लिए उपलब्धि बताया।

डॉ. पूनम राय को अवध क्षेत्र में शोध प्रमुख की जिम्मेदारी मिली है। समर्थकों का कहना है कि उनके अनुभव से संगठन को दिशा मिलेगी। अनूप सिंह पिंटू



और श्यामनाथ शुक्ला किसान मोर्चा में लंबे समय से किसान हितों और संगठन के कामों में सक्रिय रहे हैं।

नियुक्तियों पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर उर्फ साधू वर्मा, पूर्व विधायक अनीता कमल, त्रिवेणी राम, पूर्व जिलाध्यक्ष यमुना प्रसाद चतुर्वेदी, डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी, कपिल देव वर्मा, जिला उपाध्यक्ष अमरेन्द्र कांत सिंह और सुमन पाण्डेय ने बधाई दी। जिला मंत्री अंजू पाण्डेय, अभिषेक निषाद, दशरथ यादव, दिनेश पाण्डेय और डॉ. प्रेमलता भारती ने भी शुभकामनाएं दीं।

जलालपुर, जहांगीरगंज और आलापुर समेत अलग–अलग मंडलों के अध्यक्ष अरविन्द उपाध्याय, विनय पाण्डेय, नीरज सोनी, कन्हैया सिंह, विनय वर्मा और अभय सिंह मोनू सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भी बधाई दी।

कार्यकर्ताओं का मानना है कि स्थानीय नेताओं को संगठन में जिम्मेदारी मिलने से जमीनी स्तर पर पार्टी मजबूत होगी। तीनों नेताओं ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया

5500 कर्मचारी संभालेंगे जनगणना की जिम्मेदारी

126 बैचों में पर्यवेक्षकों को दी जा रही है ट्रेनिंग, 16 नवंबर से स्व–गणना

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अम्बेडकरनगर। लोहिया की धरती अंबेडकरनगर में जनगणना –2027 के दूसरे चरण की तैयारियां तेज हो गई हैं। जिले में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 27 अक्टूबर से शुरू हो गया है। करीब 5500 कार्मिकों को 126 बैचों में प्रशिक्षित किया जाएगा। अकबरपुर, आलापुर और जलालपुर तहसीलों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें कार्मिकों को जनगणना की प्रक्रिया और निर्धारित दिशा–निर्देशों की जानकारी दी गई।

16 से 30 नवंबर तक स्व–गणना का मौका



जनगणना के दूसरे चरण में आम नागरिकों को स्व–गणना की सुविधा भी मिलेगी। जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी ने बताया कि 16 से 30 नवंबर 2026 तक नागरिक आधिकारिक पोर्टल se-census-gov-in पर जाकर अपने परिवार का विवरण स्वयं दर्ज कर सकेंगे। इस सुविधा के माध्यम से लोग ऑनलाइन अपनी जानकारी उपलब्ध करा सकेंगे।स्व–गणना की अवधि समाप्त होने के बाद एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक प्रगणक घर–घर जाकर जनगणना करेंगे। इस दौरान परिवारों से निर्धारित जानकारियां एकत्र की जाएंगी।

इसके बाद पांच से नौ जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण का कार्य होगा। इस चरण में दर्ज विवरणों की जांच और आवश्यक सत्यापन किया जाएगा।

प्रशिक्षण के दौरान कार्मिकों को जनगणना की प्रक्रिया, निर्धारित दिशा–निर्देशों और कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के बारे में बताया जा रहा है। प्रशासन ने जनपदवासियों से इस राष्ट्रीय कार्य में सहयोग करने की अपील की है। जिलाधिकारी ने लोगों से स्व–गणना की सुविधा का लाभ उठाने और प्रगणकों के घर पहुंचने पर सही एवं पूरी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है, ताकि जनगणना का कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा किया जा सके।

सम्पादकीय

टाटा पर राहुल का बड़ा बयान

देश के सबसे पुराने और अग्रणी औद्योगिक घरानों में एक टाटा समूह में चेयरमैन की दोबारा नियुक्ति को लेकर विवाद चल रहा है। जो अब राजनीतिक मुद्दा भी बन गया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को इस मामले को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि टाटा को आपराधिक तरीके से बर्बाद किया जा रहा है, लेकिन किसी भी कारोबारी नेता में इस मुद्दे पर बोलने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने कारोबारियों को संबोधित करते हुए कहा है, श्आप कब तक चुप रहेंगे? क्या तब तक जब तक वे आप पर पूरी तरह कब्जा न कर लें? भारतीय उद्योग मोदी और शाह का खिलौना नहीं है। आप में हिम्मत नहीं है। हममें है। हम इन अपराधों के लिए न्याय दिलाएंगे

राहुल गांधी के इस पोस्ट के जवाब में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का भी पोस्ट आया है। उन्होंने लिखा है कि राहुल गांधी मेरी सलाह है कि विपक्ष के नेता के तौर पर आप हर मुद्दे का राजनीतिकरण करने से बचें। साथ ही, व्यावसायिक और कानूनी मामलों को बिना सोचे–समझे श्आपराधिकश करार देना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। आपने बार–बार भारतीय उद्योग जगत और हमारे उद्यमियों की सफलताओं की आलोचना की है। क्या अब आप हमारे व्यापारिक नेताओं को भी अपने साथ मिलाकर अविश्वास और नफरत फैलाने के लिए उकसाने की कोशिश कर रहे हैं? दशकों तक, आपकी पार्टी ने श्लाइसेंस–कोटा राजश्श के जरिए भारतीय उद्यमियों की भावना को दबाए रखा और करोड़ों भारतीयों को गरीबी में धकेल दिया।

दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार भारतीय उद्योग जगत को श्रोजगार पैदा करने वालेश और श्आर्थिक विकास को गति देने वालेश के रूप में महत्व देती है। राजनीतिक दलों, नेताओं, सरकारों और संस्थानों की यह समान जिम्मेदारी है कि वे हमारे उद्योगों का समर्थन करें, किसानों को मजबूत बनाएं और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करें। इसलिए, अपने संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों को साधने के लिए बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय, रचनात्मक तरीके से जुड़ना ज्यादा जरूरी है।

भारत का संविधान अपने सभी नागरिकों को न्याय की गारंटी देता है और हमारे माननीय न्यायालय इसे बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं। इसलिए राहुल जी, हर जगह भूत–प्रेत देखने से बचें। नीतियां देखें

जिस तरह का चिढ़ भरा जवाब वित्त मंत्री ने दिया है, वह प्याज के महंगे होने पर मैं प्याज नहीं खाती, वाले स्तर का ही है। राहुल की चिंता का मूल यही है कि मोदी सरकार में केवल दो उद्योगपतियों को आगे बढ़ने का मौका दिया गया। व्यापार–कारोबार में एकाधिकार की प्रवृत्ति देश के लिए घातक होती है, यह बात राहुल गांधी कई सालों से लगातार उठा रहे हैं। लेकिन उनकी चिंता का तार्किक समाधान प्रस्तुत करने की जगह उन्हें व्यापार विरोधी साबित किया जाता है। अभी रामलीला मैदान में रैली के पहले जिस तरह एक अनजाने से व्यापारी संगठन से राहुल को चि–ी लिखवाई गई कि व्यापार का नुकसान होगा, इसलिए रैली टाल दो, वह भी यही दिखाने की कोशिश है कि राहुल को कारोबारियों से बैर है। जबकि राहुल गांधी ने हमेशा लघु और मध्यम कारोबारियों के लिए आवाज उठाई। नोटबंदी और जीसएटी लागू होने पर उनकी परेशानियों की बात कही। और अब राहुल को व्यापार में एकाधिकार की प्रवृत्ति बढ़ने के कारण टाटा जैसे बड़े औद्योगिक घराने के हक में भी बोलने के लिए सामने आना पड़ा है।

बता दें कि टाटा घराने में विवाद टाटा संस के कार्यकारी चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को दोबारा नियुक्त करने के फैसले को लेकर है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन और टाटा परिवार से ही आने वाले नोएल टाटा ने इस फैसले की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए दावा किया है कि बोर्ड की बैठक में जरूरी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। उन्होंने फैसले को अमान्य बताते हुए कंपनी से सात दिन के भीतर कई दस्तावेज और स्पष्टीकरण मांगे हैं। उनका आरोप है कि बोर्ड की बैठक के लिए निदेशकों को जो एजेंडा भेजा गया था, उसमें चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का साफ उल्लेख नहीं था। नोएल टाटा का कहना है कि इसके बावजूद बैठक में यह प्रस्ताव मतदान के लिए रखा गया और कंपनी ने बाद में इसे मंजूर प्रस्ताव के रूप में पेश किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि बैठक के ऑडियो–वीडियो रिकॉर्ड, अंतिम मिनट्स और प्रस्ताव की प्रमाणित प्रति मांगने के बावजूद उन्हें ये दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए।

गौरतलब है कि टाटा समूह की संरचना में टाटा ट्रस्ट्स की अहम भूमिका है। टाटा ट्रस्ट्स से जुड़े ट्रस्ट समूह की प्रमुख कंपनियों में हिस्सेदारी रखते हैं और सामाजिक कार्यों के लिए भी बड़े पैमाने पर संसाधन उपलब्ध कराते हैं। नोएल टाटा टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन हैं। वहीं टाटा संस समूह की प्रमुख होल्डिंग कंपनी है। इसलिए टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच किसी बड़े फैसले पर मतभेद सामने आने से समूह के भीतर प्रशासन और नियंत्रण से जुड़े सवाल उठ सकते हैं। टाटा समूह में छिड़ी अधिकारों की इस लड़ाई में अंततरु जीत किसकी होगी, यह तो वक्त बताएगा। लेकिन भारत के विकास की गाथा में टाटा के योगदान को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। परमाणु उर्जा से लेकर नागरिक उड्डयन, खेलकूद, शिक्षा, ग्रामीण विकास, चिकित्सा जैसे तमाम क्षेत्रों में टाटा समूह ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए अपना अहम योगदान दिया है। आज जो भारत के धनकुबेर बने बैठे हैं, उन उद्योगपतियों ने देश की प्राकृतिक संपदा का मनमाना दोहन कर केवल अपनी जेबें भरी हैं। बदले में समाज को कुछ नहीं दिया।

ऐसे ही एक एकाधिकार पर हॉट मेल बनाने वाले सबीर भाटिया ने डॉक्यूमेंट्री बनाई। इसमें अडानी और मोदी की दोस्ती की मिसाल देते हुए गुजरात दंगों के बाद से दोनों की अनवरत साझेदारी का पूरा ब्योरा है। जिसमें पता चलता है कि किस तरह जो जमीनें बाकियों के लिए महंगी दरों पर मौजूद थी, वो अडानी को महज एक रूपए की लीज़ पर दी गईं। मोदी प्रधानमंत्री बने तो गुजरात से दिल्ली अडानी के निजी जहाज में ही आए। अडानी ने जीवीके और एनडीटीवी किस तरह खरीदा, इसका भी पूरा विवरण इस डॉक्यूमेंट्री में है। लेकिन इसे सरकार सोशल मीडिया से हटवा रही है और उधर अडानी समूह ने मानहानि का बड़ा दावा सबीर भाटिया पर ठोंक दिया है। इस मामले का नतीजा क्या निकलता है, यह तो अदालत से तय होगा।

फिलहाल राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट से देश की भावी आर्थिक तस्वीर को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। और यह तथ्य भी अपनी जगह है कि राहुल गांधी ने जब भी कोई चिंता जाहिर की है, कुछ वक्त में वह सच बनकर सामने आ जाती है।

जो तेरा हाल है,वो मेरा हाल है

सर्वमित्रा सुरजन

भारत में कुछ समय पहले जेन ज़ी आंदोलन के कारण बड़ी हलचल मची। इस समय विपक्ष के खड़े किए आंदोलन में जिस तरह जनता का बड़ा जुड़ाव हो रहा है, उसे जेन ज़ी आंदोलन का ही प्रभाव माना जा रहा है। मुद्दे यहां भी अलग नहीं हैं। सरकारी तंत्र में पसरा भ्रष्टाचार, निजी हाथों की बढ़ती ताकत, चुनावों में धांधली, सत्तारुढ़ दल के लिए हो रहे एकतरफा फैसले यही सब सर्बिया में हुआ, यही भारत में हो रहा है।



पिछले दो–तीन दिनों में कुछ ऐसी वैश्विक घटनाएं हुई हैं, जिन्हें विस्तार से पढ़ें तो लगेगा कि केवल स्थान और नाम ही अलग हैं, बाकी घटनाओं के कारण, हालात और जनप्रतिक्रियाएं काफी कुछ जानी–पहचानी लगेंगी, यानी इन्हें पढ़–सुन कर लगेगा कि अपने देश में जो कुछ चल रहा है वही दुनिया के दूसरे हिस्से में भी हो रहा है। पाठक जानते हैं कि सर्बिया में हुए हालिया संसदीय चुनावों में राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक की सत्ताधारी पार्टी की हार हुई है। आर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट की रिपोर्ट में बताया गया है कि सत्ता पर बने रहने के लिए वुसिक की सर्बियाई प्रोग्रेसिव पार्टी ने सत्ता के 14 बरसों में देश के मीडिया से लेकर तमाम सरकारी संस्थानों पर कब्जा कर लिया था। सर्बिया की चुनावों पर निगरानी रखने वाली महत्वपूर्ण संस्था ए सेंटर फॉर रिसर्च, ट्रांसपरेंसी एंड एकाउंटीबिलीटी के मुताबिक 2023 और 2024 के चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं थे। संस्था के मुताबिक चुनाव में लेवल प्ले फील्ड खत्म करना, मतदाता सूची में फर्जी नाम जोड़ना, सरकारी संसाधन अपने करीबियों में बांटना और पार्टी के लोगों की सरकारी संस्थाओं में घुसपैठ जैसे तमाम हथकंडे अपनाए गए। लेकिन इसके बावजूद इस बार वुसिक को हार स्वीकार करनी पड़ी क्योंकि दो साल पहले भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरु हुए छात्रों के आंदोलन में जनता का बड़ा वर्ग भी शामिल हो गया और इस जनादेश और जनभावना को उपेक्षित करने का खतरा वुसिक ने मोल नहीं लिया। भारत में कुछ समय पहले जेन ज़ी आंदोलन के कारण बड़ी हलचल मची। इस समय विपक्ष के खड़े किए आंदोलन में जिस तरह जनता का बड़ा जुड़ाव हो रहा है, उसे जेन ज़ी आंदोलन का ही प्रभाव माना जा रहा है। मुद्दे यहां भी अलग नहीं हैं। सरकारी तंत्र में पसरा भ्रष्टाचार, निजी हाथों की बढ़ती ताकत, चुनावों में धांधली, सत्तारुढ़ दल के लिए हो रहे एकतरफा फैसले यही सब सर्बिया में हुआ, यही भारत में हो रहा है। प्रसंगवश यह भी बता दूं कि कुछ महीने पहले इन्हीं वुसिक महोदय ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शान में कसीदे गढ़े थे। उन्होंने कहा था कि मोदी ने भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और उसे वैश्विक महाशक्ति बनाया, लेकिन इसके बावजूद उन्हें कमजोर करने और गिराने की कोशिशें की जा रही हैं। मोदी की सत्ता बची रहेगी या नहीं ये फिक्र वुसिक कर रहे थे और इधर उनके देश के युवाओं ने उन्हें सत्ता से हटने पर मजबूर कर दिया। वह भी बाकायदा संवैधानिक तरीके से। बहरहाल वुसिक के हार मानते ही वहां का मीडिया भी पलटने लगा। बहुत से टीवी चौनलों के दफ्तर पर जनता अपनी नाराजगी प्रकट करने पहुंची, ऐसी खबर है। वहीं एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सरकारी प्रसारक रेडियो टेलीविज़न ऑफ वोज्वोदिना ने अपने दर्शकों से लाइव प्रसारण पर बाकायजा माफी मांगी है। चौनल के एंकर गोरान एरॉर ने प्रसारण की शुरुआत में स्वीकार किया कि चौनल ने वर्षों तक एकतरफा, सत्ता–समर्थक और बिना आलोचना वाली खबरें दिखाईं तथा ज़रूरी सवाल नहीं पूछे। एंकर ने कहा, वर्षों तक, हम अपने कर्तव्य का पालन करने में विफल रहे। हम चुप रहे, आंखें मूंद लीं, एकतरफा खबरें दिखाईं और ज़रूरी सवाल पूछने में असफल रहे। इसके लिए हम अपने दर्शकों से माफी मांगते हैं। इस माफीनामे और राजनीतिक बदलाव के तुरंत बाद, आरटीवी के फर्स्ट प्रोग्राम के कार्यवाहक प्रधान संपादक नेनाद चाचिक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनके स्थान पर ब्लाजो पोपोविच को नियुक्त किया गया है। सर्बिया से पेश आए इस उदाहरण को पुराने जमाने में इस्तेमाल किए जाने वाले टेलीग्राम संदेशों की तरह समझा जा सकता है कि थोड़ा लिखा है, ज्यादा समझना।

यूं तो पिछले कुछ दिनों में इटली, फ्रांस जैसे कुछ और देशों में भी छात्रों ने सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन किए, जो हिंसक भी हुए। इन्हीं पर अपनी जर्मनी यात्रा के दौरान देश के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने प्रवासी भारतीयों की तारीफ करते हुए यूरोपीय देशों के लिए तंज भरे लहजे में कहा कि मेज़बान देशों में भारतीयों का स्वागत किया जाता है क्योंकि वे तोड़–फोड़ या सार्वजनिक जीवन में रुकावट नहीं डालते हैं। पीयूष गोयल की बात बिल्कुल वाजिब है। यूरोप तो फिर भी दूर है, लेकिन भारत के पड़ोसी नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका में ऐसे ही छात्रों और जनता के आंदोलन के बाद तख्तापलट की घटनाएं हुईं, फिर भी भारत के नौजवान गांधी के बताए अहिंसक आंदोलन के रास्ते पर ही चल रहे हैं। संवैधानिक तरीके से ही अपनी मांगें सामने रख रहे हैं और संवैधानिक तरीके से ही अपनी समस्याओं का समाधान भी चाहते हैं। ये और बात है कि उन्हें इस तरीके पर चलने की बड़ी कीमत भी अदा करनी पड़ रही है। कभी व्यक्तिगत हमले आंदोलनकारी लड़कियों पर हो रहे हैं, कभी कानून का डर दिखाया जा रहा है, कभी इंस्टाग्राम, एक्स जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध झेलने पड़ रहे हैं। अभी पिछले हफ्ते नेहा सिंह राठौड़ पर एबीपी चौनल के डिजीटल प्लेटफार्म पर फर्जी खबर चली, जो बाद में खेदप्रकट के बाद हटाई गई। इसी तरह आइसा की अध्यक्ष नेहा बोरा के चरित्र हनन की कोशिशें हुईं। और ऐसा करने वालों को पुरस्कृत भी किया जा रहा है। अभी इफको युवा साहित्य सम्मान बिहार के सर्वेश तिवारी श्रीमुख को दिया गया। उनकी 15 सितंबर की फेसबुक पोस्ट नेहा बोरा के विरोध में है। तब नेहा ने गोरखपुर में ही योगी आदित्यनाथ की काफी आलोचना की थी। उस पर सर्वेश तिवारी ने नेहा को एक दो कौड़ी की वामपंथी नचनिया बताते हुए लिखा कि इस गदहिया को कोई बताए कि गोरखपुर हजार साल पूर्व भी बाबा गोरखनाथ के लिए जाना जाता था। आगे यह भी लिखा कि एक पंक्ति बोलने भर में छह बार मुंह और आठ बार कूल्हा मटका कर राखी सावंत टाइप गाली गलौज करने से बिग बॉस या महेश भट्ट की फिल्म में इमरान हाशमी के अपोजिट रोल तो मिल सकता है, राजनीति में जगह नहीं बन सकती।

वैसे तो सर्वेश तिवारी को उनके उपन्यास पुण्यपथ के लिए साहित्य सम्मान मिला है, लेकिन ऊपर लिखी भाषा कम से कम किसी साहित्यकार की तो नहीं लगती है। बल्कि किसी सभ्य नागरिक की भी नहीं लगती है। क्योंकि नेहा बोरा से असहमति या नापसंदगी अपनी जगह है, लेकिन उसे दर्शाने का तरीका किसी लिहाज से सभ्य नहीं है। लेकिन यही तो नए भारत का कड़वा सच है। जहां भाषा के साथ–साथ विचारों और मूल्यों में भी बड़ी गिरावट आ चुकी है। खैर, वापस वैश्विक घटनाक्रम की तरफ मुड़ते हैं। ब्राजील में वामपंथी नेता लूला डि सिल्वा की दोबारा जीत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें अपना मित्र बताते हुए बधाई दी। हालांकि मोदी जिन्हें अपना मित्र बता रहे हैं, ट्रंप उनके शत्रु हैं। अगर लूला की जगह पलावियो बोल्सोनारो जीतते तो मोदी उनसे अपना पुराना नाता निकाल लेते। उन्हें अपना मित्र बताते, अपने मित्र का बेटा और अपने मित्र का मित्र भी बताते। लेकिन इस रिश्तेदारी को निकालने का मौका मोदी को नहीं मिला। इस बीच खबर आई कि फलावियो बोलसोनारो ब्राजील से भागकर अमेरिका चले गए हैं। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के सिलसिले में पलावियो को अपने पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था। लेकिन उन पर कार्रवाई होती इससे पहले वे चले गए, हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि बोलसोनारो झोला उठा कर गए या खाली हाथ गए हैं।

बदलती विश्व व्यवस्था के बीच बढ़ते परमाणु खतरे

डॉ. अरुण मित्रा

इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वाशिंगटन को यह विश्वास दिलाया था कि ईरान कुछ ही दिनों में आत्मसमर्पण कर देगा। इसी वजह से अमेरिका, ईरान के खिलाफ इज़रायल की आक्रामकता में शामिल हो गया। इससे संघर्ष और तेज़ हो गया। अपनी सैन्य श्रेष्ठता के बावजूद, अमेरिका को वह निर्णायक परिणाम नहीं मिला, जिसकी उसे और इज़रायल को उम्मीद थी।

पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष एक व्यापक युद्ध की संभावना को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बार–बार ईरान को धमकियां दी हैं, और कई बार तो उसे पूरी तरह नष्ट करने की बात भी कही है। यह देखना बाकी है कि क्या ये बयान केवल दबाव बनाने के लिए हैं या फिर किसी बड़ी सैन्य कार्रवाई की शुरुआत हैं। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मार्को रुबियो का बयान, जिसमें उन्होंने सीधे तौर पर ईरान को धमकी दी, अमेरिकी प्रशासन के अहंकार को दर्शाता है। ऐसी स्थिति में दुनिया लापरवाह नहीं रह सकती।

विभिन्न स्रोतों से मिल रही जानकारी के अनुसार, ईरान को अमेरिका और इज़रायल की ओर से एक नए हमले की आशंका है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर इज़रायल परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करता है, तो ईरान इज़रायल के परमाणु प्रतिष्ठानों को पूरी तरह नष्ट कर देगा, जो डिमोना शहर के दक्षिण–पूर्व में नेगेव रेगिस्तान में स्थित हैं। ब्राजीलियाई पत्रकार एमिलियो श्पेपे एस्कोबार ने श्ट्रांज़िशन प्रोटोकॉलश नामक डिजिटल चौनल पर जुल्फिकार अली के साथ एक साक्षात्कार में



बताया कि ईरान ने लगभग 400 ठिकानों को चिह्नित कर लिया है, जिनमें खाड़ी क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों से लेकर हिंद महासागर तक के ठिकाने शामिल हैं। इस बीच, हेब्रोन के पास गोलीबारी की घटना के बाद इज़रायल द्वारा वेस्ट बैंक में लॉकडाउन लगाने की खबरें और अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ की हालिया इज़रायल यात्रा भी गौर करने लायक हैं।

ईरान के प्रतिरोध ने अमेरिकी सैन्य शक्ति की सीमाओं को उजागर कर दिया है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य से जहाज़ों की आवाजाही में रुकावट ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बुरी तरह प्रभावित किया है और आर्थिक दबाव बढ़ा दिया है। डीज़ल सहित ईंधन की आपूर्ति में आ रही दिक्कतों ने वाशिंगटन की नीतियों के आर्थिक परिणामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कहा जाता है कि इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वाशिंगटन को यह विश्वास दिलाया था कि ईरान कुछ ही दिनों में आत्मसमर्पण कर देगा। इसी वजह से अमेरिका, ईरान के खिलाफ इज़रायल की आक्रामकता में शामिल हो गया। इससे संघर्ष और तेज़ हो गया। अपनी सैन्य श्रेष्ठता के बावजूद, अमेरिका को वह निर्णायक परिणाम नहीं मिला, जिसकी उसे और इज़रायल को उम्मीद थी।

खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान के हमलों से भारी नुकसान हुआ है। ट्रम्प द्वारा ईरान के साथ बनी राजनयिक समझ को खत्म कर देने से शांति की संभावनाएं और कमज़ोर हो गई हैं। हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब पर किए गए हमलों ने बाबअल–मंदेब जलडमरूमध्य और लाल सागर से होने वाले समुद्री व्यापार को बाधित किया है, जिसका सऊदी अरब पर गंभीर असर पड़ा है।

ब्रिक्स के उदय और चीन की श्बेल्ट एंड रोडश पहल – जिसमें विभिन्न महाद्वीपों के लगभग 150 देश शामिल हैं– से विश्व व्यवस्था में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिका और पूर्व आधिपत्यवादी शक्तियां इस बदलाव को स्वीकार नहीं कर पा रही हैं। अमेरिका, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों को दरकिनार करते हुए, अपनी मनमर्जी से विभिन्न देशों पर प्रतिबंध और शुल्क थोपकर दुनिया पर अपनी शर्तें थोपने की कोशिश कर रहा है।

मौजूदा भारतीय सरकार, अमेरिका के साथ बहुत करीबी संबंध रखना चाहती है, भले ही अमेरिका अपनी शर्तें थोपता हो। डोनाल्ड ट्रम्प ने कई बार भारत को यह कहकर अपमानित किया है कि अमेरिका के हस्तक्षेप के बाद ही भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुका था। वे उस श्विशेष मित्रताश की कोई परवाह नहीं करते, जिसका अक्सर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ज़िक्र करते हैं।

इसी व्यापक मू–राजनीतिक संदर्भ में, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भारत यात्रा महत्वपूर्ण हो जाती है। उनकी यात्रा की शुरुआत नई दिल्ली में औपचारिक बातचीत से होने के बजाय, मुंबई और जामनगर से हुई। इससे इस यात्रा के उद्देश्य और इसके आयोजन के तरीके पर सवाल खड़े हो गए हैं।

रिपोर्टों के अनुसार, रुबियो की मेजबानी उद्योगपति मुकेश अंबानी ने की। साथ ही, इस यात्रा के बारे में जानकारी भारतीय सरकार की ओर से कोई सार्वजनिक घोषणा होने के बजाय, अमेरिकी पक्ष से सामने आई। इतने वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी की यात्रा का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी से बाहर क्यों किया गया? क्या भारतीय सरकार की प्राथमिकताओं और राजनयिक प्रोटोकॉल का उचित सम्मान किया गया? ऐसे समय में जब भारत को बड़े विदेशी निवेश की ज़रूरत है, पेट्रोलियम रिफाइनिंग में निवेश और टेक्सास में एक संभावित प्लांट लगाने को लेकर हुई चर्चाओं की खबरों ने अटकलों को और बढ़ा दिया है। इन दायों की– कि अंबानी टेक्सास और वेनेजुएला में 300 अरब डॉलर का निवेश कर सकते हैं– स्वतंत्र पुष्टि और स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। उतनी ही चिंताजनक यह खबर भी है कि अमेरिकी राजदूत सर्जियोगोर ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से रुबियो से मिलने के लिए मुंबई जाने को कहा। यदि यह सच है, तो ये हालात राजनयिक प्रोटोकॉल और आपसी सम्मान को लेकर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

भारत–पाकिस्तान संघर्ष, व्यापार शुल्क और रूस से भारत द्वारा तेल खरीदने के मुद्दों पर राष्ट्रपति ट्रम्प के सार्वजनिक बयानों के बावजूद, मोदी सरकार वाशिंगटन के साथ अपने करीबी संबंध बनाए हुए है। भारत को अमेरिका की रणनीतिक प्राथमिकताओं को क्यों मानना चाहिए, जबकि अमेरिका हमेशा अपने हितों को ही सबसे ऊपर रखता है? अमेरिका के इस वर्चस्ववादी रवैये ने पूरी दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेल दिया है और हर तरफ सैन्य तनाव बढ़ा दिया है। परमाणु टकराव का खतरा इस मौजूदा स्थिति को विशेष रूप से चिंताजनक बनाता है। ईरान ने बार–बार परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिश से इन्कार किया है, जबकि अमेरिका और इज़रायल उसके परमाणु कार्यक्रम को सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बताते रहे हैं। ऐसे दावों की जांच विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय सत्यापन और स्थापित अंतरराष्ट्रीय कानूनों के जरिए होनी चाहिए, न कि इनका इस्तेमाल एकतरफा सैन्य कार्रवाई के बहाने के रूप में किया जाना चाहिए।

इराक युद्ध एक गंभीर सबक देता है। 2003 में अमेरिका के नेतृत्व में हुए हमले को सही ठहराने के लिए श्जनसंहार के हथियारोंश का हवाला दिया गया था, लेकिन जिन हथियारों के जखीरे का मुख्य आधार के रूप में ज़िक्र किया गया था, वे कभी मिले ही नहीं। इराक और पूरे क्षेत्र पर पड़े विनाशकारी परिणाम यह दिखाते हैं कि विवादित दायों के आधार पर युद्ध छेड़ने के कितने खतरे हो सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र को स्थिति को और बिगड़ने से रोकने और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन सुनिश्चित करने के लिए अपने राजनयिक प्रयासों को तुरंत तेज करना चाहिए। उसे परमाणु हथियार संपन्न सभी देशों पर दबाव डालना चाहिए कि वे यह पक्का वादा करें कि वे चल रहे संघर्षों में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

परमाणु हथियारों का सीमित इस्तेमाल भी भारी जान–माल का नुकसान, पर्यावरण की तबाही, खाद्य असुरक्षा और स्वास्थ्य पर ऐसे दीर्घकालिक दुष्प्रभाव पैदा कर सकता है, जो इसमें शामिल देशों की सीमाओं से कहीं दूर तक फैल सकते हैं। एक बड़े पैमाने पर होने वाला परमाणु युद्ध तो पूरी मानव सभ्यता के अस्तित्व के लिए ही खतरा बन सकता है।

नेतृत्व की असली परीक्षा किसी दूसरे देश को डराने–धमकाने की क्षमता में नहीं, बल्कि युद्ध को रोकने और मानवता की रक्षा करने के दृढ़संकल्प में होती है। भारत को यह तय करना होगा कि क्या वह स्वतंत्र रूप से नई विश्व व्यवस्था को आकार देने में मदद करेगा या फिर अपनी विदेश नीति को किसी वर्चस्ववादी शक्ति के हिसाब–किताब से तय होने देगा।

करवा चौथ पर पति की सड़क हादसे में मौत

बाराबंकी।बाराबंकी में करवा चौथ के दिन एक परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखने वाली पत्नी शाम को अपने सुहाग के लौटने का इंतजार कर रही थी। उसे उम्मीद थी कि पति बाजार से करवा चौथ का सामान लेकर घर आएगा। चांद निकलने के बाद वह पति के हाथों पानी पीकर अपना व्रत खोलेगी, लेकिन इससे पहले ही उसकी जिंदगी में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जिस पति की राह वह देख रही थी, उसकी मौत की खबर घर पहुंच गई। यह सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया।मामला कोठी थाना क्षेत्र के सादुलनापुर गांव का है। गांव निवासी 25 वर्षीय राजकुमार गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे साइकिल से करवा चौथ का सामान लेने बाजार गया था। उसकी पत्नी ने पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए व्रत रखा था।

2027 में सपा पूर्ण बहुमत से बनाएगी सरकार :सुरेश यादव



(शान्तिमोर्चा संवाद) **बाराबंकी।** बाराबंकी में समाजवादी पार्टी के तीन बार के विधायक सुरेश यादव उर्फ धर्मराज यादव ने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी।

उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि देश, खासकर उत्तर प्रदेश की जनता उसके कामकाज से ऊब चुकी है।

यादव ने कहा कि युवाओं को नौकरी और रोजगार नहीं मिल रहा है। रोजगार के मुद्दे पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि देश के एक मंत्री युवाओं को पकौड़ा तलने और एक उपमुख्यमंत्री टेम्पो चलाने की सलाह देते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की योजनाओं से आम लोगों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा और देश की संपत्तियां बेची जा रही हैं। यादव ने कहा कि लोग धर्म, जाति और संप्रदाय से ऊपर उठकर अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सपा को विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

अयोध्या का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम और भोले बाबा का आशीर्वाद सपा को मिला है। एमएलसी चुनाव को लेकर यादव ने मतदाता सूची से लेकर मतगणना तक गड़बड़ी के आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि सूची में नाम, पिता के नाम, मोहल्ले और मतदान केंद्र से जुड़ी गलतियां थीं। उनके मुताबिक, अखिलेश यादव ने इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

यादव ने कहा कि एमएलसी चुनाव में कथित गड़बड़ियों के मुद्दे पर कांग्रेस ने विरोध नहीं किया, जबकि अखिलेश यादव लगातार आवाज उठाते रहे।

उन्होंने पार्टी अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं और समर्थक मतदाताओं का आभार जताया। उन्होंने फिर कहा कि 2027 में सपा पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। आरोपों पर भाजपा और कांग्रेस का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है।

चोरी का डीजल पकड़वाने पर घर में घुसकर हमला

बाराबंकी में युवक के हाथ–पैर और दांत टूटे, भाभी–बेटी घायल



(शान्तिमोर्चा संवाद) **बाराबंकी।**बाराबंकी में बुधवार रात करीब 9:30 बजे एक दर्जन से अधिक लोगों ने परमानंद शुक्ला के घर पर हमला कर दिया। आरोप है कि लाठी–डंडों से की गई पिटाई में परमानंद के दोनों हाथ–पैर और कई दांत टूट गए। उनकी भाभी और बेटी भी घायल हो गईं। गंभीर हालत में परमानंद को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मामला हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र के सराय वन पुकार गांव की है।42 वर्षीय परमानंद शुक्ला के मुताबिक, उन्होंने कुबापर रात गांव में चोरी का डीजल बेचने की सूचना पुलिस को दी थी। ग्रामीणों की मदद से उन्होंने डीजल से भरी एक पिकअप पकड़कर पुलिस के हवाले कर दी। मौके पर पहुंची हैदरगढ़पुलिस नेपिकअप चालक और गांव के दो लोगों को हिरासत में लिया। इसके बाद पुलिस पिकअप लेकर कोतवाली चली गई।परमानंद का आरोप है कि पुलिस के जाने के कुछ देर बाद दूसरे पक्ष के लोग लाठी–डंडेलेकर उनके घर पहुंचे और हमला कर दिया। परिजनों ने पंकज दीक्षित, विकास, धीरेन्द्र, जगन्नाथ, धर्मेन्द्र तिवारी, अवधेश द्विवेदी और रवि द्विवेदी समेत अन्य लोगों पर हमले में शामिल होने का आरोप लगाया है।

घायल परमानंद को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) हैदरगढ़ ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल बाराबंकी रेफर कर दिया गया। उनकी भाभी और बेटी को भी चोटें आई हैं।

सूचना मिलने पर सीओ समीर सिंह के साथ हैदरगढ़, लोनीकटरा और सुबहा थानेकी पुलिस मौकेपर पहुंची।पुलिस मामलेकी जांच कर रही है।घटना केबाद गांवमेंतनाव का माहौल है।

देवा महोत्सव में मो. दानिश के गीतों पर झूमे दर्शक

'छैंया–छैंया', 'रश्के कमर' और 'कजरा मोहब्बत वाला' से बांधा समां





(शान्तिमोर्चा संवाद) **बाराबंकी।**बाराबंकी में देवा महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में बुधवार रात 9 बजे इंडियन आइडल फेम गायक मो. दानिश ने अपनी प्रस्तुति से समां बांध दिया। उनके गीत 'छैंया–छैंया', 'रश्के कमर' और 'कजरा मोहब्बत वाला' पर पंडाल में मौजूद दर्शक झूम उठे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक के बाद एक कई लोकप्रिय गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं का मनोरंजन किया।

लोकप्रिय गीतों से बांधा समां

मो. दानिश ने कार्यक्रम की शुरुआत 'छैंया–छैंया' गीत से की। इसके बाद उन्होंने 'मेरे रश्के कमर', 'कजरा मोहब्बत वाला', 'काली–काली जुल्फों के', 'ये जो हल्का–हल्का सुरूर है', 'सांसों की माला पे', 'तेरी दीवानी' और 'रमता जोगी' जैसे गीत प्रस्तुत किए। उनकी गायकी पर पंडाल में मौजूद लोग झूमते नजर आए।

अधिकारियों ने मोमेंटो देकर किया सम्मानित

कार्यक्रम मेंजनपद न्यायाधीश प्रतिमा श्रीवास्तव, अपर जनपद न्यायाधीश श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) निरंकार सिंह और नवाबगंज की उपजिलाधिकारी गुंजिता अग्रवाल ने गायक मो. दानिश को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

इस दौरान गायक ने लोगों को जनगणना के महत्व के बारे में जानकारी दी और स्व–गणना के लिए प्रेरित किया।

सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की नगरी देवा में आयोजित होने वाला मेला गंगा–जमुनी तहजीब, आपसी सद्भाव और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक माना जाता है। महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में मो. दानिश की प्रस्तुति ने इस आयोजन को यादगार बना दिया।

गोला गोकरननाथ और पीलीभीत की टीमें जीतीं

देवा महोत्सव हॉकी: नॉकआउट प्रतियोगिता में चार मुकाबले खेले गए

बाराबंकी।बाराबंकी में देवा महोत्सव–2026 की नॉकआउट हॉकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन गुरुवार को चार मुकाबले खेले गए। बाराबंकी स्टेडियम, गोला गोकरननाथ और पीलीभीत की टीमों ने अपने–अपने मैच जीते। वहीं, चौथे मुकाबले में नगर पंचायत शिवगढ़ ने ट्राइब्रेकर में वारसी क्लब देवा को 1–0 से हराया।

तीन मुकाबलों में एकतरफा जीत

पहले मुकाबले में बाराबंकी स्टेडियम की टीम ने बहराइच को 1–0 से शिकस्त दी। दूसरे मैच में गोला गोकरननाथ ने रामपुर को 2–0 से हराया। तीसरे मुकाबले में पीलीभीत की टीम ने गांधी क्लब बाराबंकी को 1–0 से पराजित किया।

धान का पुआल भरते समय युवक को सांप ने काटा

बाराबंकी में सांप को पालिथीन में लेकर अस्पताल पहुंचे परिजन, हालत गंभीर देख लखनऊ रेफर



(शान्तिमोर्चा संवाद) **फतेहपुर।**बाराबंकी में फतेहपुर थाना क्षेत्र के दशरथपुर गांव में गुरुवार दोपहर धान का पुआल ट्राली में भर रहे 22 वर्षीय युवक को सांप ने काट लिया। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) फतेहपुर ले गए। यहां चिकित्सकों ने उपचार के दौरान एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) की 20 खुराक दीं। हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन परिजन बेहतर इलाज के लिए निजी वाहन से लखनऊ लेकर रवाना हो गए।

दशरथपुर गांव निवासी अवधेश कुमार का बेटा अश्वनी कुमार गुरुवार दोपहर खेत में धान का पुआल ट्राली में भर रहा था। इसी दौरान पुआल के नीचे छिपे सांप ने उसके दाहिने पैर में काट लिया। पैर में तेज दर्द होने पर परिजन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे।

ड्यूटी पर तैनात डॉ. हिमांशु ने युवक की जांच कर उपचार शुरू किया। उसे एएसवी की 20 खुराक दी गईं। इसके बाद उसकी हालत पर नजर रखी गई। स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे निजी वाहन से लखनऊ ले गए।

घटना के बाद खेत में मौजूद परिजनों ने सांप को पकड़कर पॉलिथीन में रख लिया। वे उसे लेकर सीएचसी पहुंचे और चिकित्सक की मेज पर रखकर दिखाने लगे। मेज पर सांप देखकर अस्पताल में मौजूद मरीजों, तीमारदारों और स्वास्थ्यकर्मियोंमेंघबराहट फैल गई। कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। बाद में परिजन सांप को लेकर वहां से चले गए।

जनपद एक नजर में...

सर्राफा कारोबारी भाइयों पर फायरिंग

जेवर लूटने का था प्लान, लोगों के पीछा करने पर बैग छोड़कर भागे

बाराबंकी।बाराबंकी के रामसनेहीघाट कोतवाली इलाके में बुधवार शाम सर्राफा कारोबारी दो भाइयों पर बदमाशों ने फायरिंग की। बदमाशों ने जेवरों से भरा बैग लूटने की भी कोशिश की, लेकिन स्थानीय लोगों के पीछा करने पर बैग छोड़कर भाग गए। शुभ ज्वेलर्स के संचालक सत्यम सोनी और श्याम सोनी



बुधवार शाम 7रू30 बजे दुकान बंद कर मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे। कोटवा सड़क से सिधौर मार्ग पर दो मोटरसाइकिलों पर सवार 4 बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। बदमाशों ने हेलमेट पहन रखे थे।

आरोप है कि बदमाशों ने तमंचे से फायरिंग की। दोनों भाई मोटरसाइकिल से गिर पड़े। इसके बाद बदमाश जेवरों से भरा बैग लेकर भागने लगे।

फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बदमाशों का पीछा किया। लोगों को पीछे आता देख बदमाश बैग छोड़कर मोटरसाइकिल से फरार हो गए।

सूचना मिलने पर रामसनेहीघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस फरार बदमाशों की तलाश कर रही है। उनकी पहचान और गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की कार्रवाई जारी है।

आटो और हाफ डाले की टक्कर,2 लोग गंभीर घायल



बाराबंकी।बाराबंकी में देवा रोड पर गांधी भवन के पास देर रात ऑटो और हाफ डाले की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा रात करीब 11:30 बजे हुआ। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटनास्थल सिविल चौकी से कुछ कदम की दूरी पर होने के बावजूद घायलों को मदद मिलने में करीब 20 मिनट लग गए।नगर कोतवाली क्षेत्र में देवा रोड पर देर रात ऑटोऔर हाफ डाले की टक्कर हो गई। हादसे मेंदोचालकोंसे जुड़ेदो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद घायलों को सड़क पर मदद का इंतजार करना पड़। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

स्थानीय लोगोंका कहना है कि घटनास्थल सिविल चौकी से कुछ कदम की दूरी पर है। इसके बावजूद करीब 20 मिनट तक न पुलिस पहुंची और न पुलिसकर्मी आए। हालांकि, पुलिस और एंबुलेंस के पहुंचने में देरी की वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।बाद में एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी पहचान और मौजूदा हालत के बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। हादसे के बाद घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता मिलने को लेकर सवाल उठे हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, देवा रोड पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। उन्होंने दुर्घटना की आशंका वाले स्थानों पर सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने और यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग की है। साथ ही, आपात स्थिति में पुलिस और एंबुलेंस की जल्द उपलब्धता सुनिश्चित करने की अपील की है।



कैंसर का इंजेक्शन अब मिलेगा सिर्फ 7 हजार में

543 दवाओं के दाम घटे , नई कीमतें 9 नवंबर से होंगी लागू

(न्यूज एजेंसी)
नई दिल्ली। देश में कैंसर की 543 दवा ब्रांडों और पैक की कीमतों में बदलाव किया गया है। राष्ट्रीय नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) के फैसले के बाद 397 यानी 73 प्रतिशत दवाओं के दाम घटाए गए हैं। इनमें 217 दवाओं की कीमत आधे से भी कम हो गई है। 97 ब्रांड की दवाओं की कीमतों में 70 प्रतिशत से ज्यादा और 50 में 80 प्रतिशत से ज्यादा कटौती हुई है। पांच दवाओं की कीमतों में 90 प्रतिशत से ज्यादा कटौती हुई है। सबसे बड़ी कटौती सैमटेपा इंजेक्शन में हुई है। इसकी कीमत 80,071 से घटाकर ध्7,150 कर दी गई है। पैलबोप्रो दवा के 21 कैप्सूल वाले पैक की कीमत ध्40,421 से घटकर ध्2,720 हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को छ्ब्द्ध से सवाल किया था कि दवाओं की कीमतों पर लगाम क्यों नहीं लगाई जा रही? इसके बाद कंपनियों ने नई कीमतें जारी की हैं, जो 9 नवंबर से लागू होंगी। हालांकि, 146 ब्रांड–पैक की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकार ने 137 एंटी–कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन को MRP के 30 प्रतिशत तक सीमित किया है।

कैंसर की कई दवाओं के दाम घटाए गए हैं, लेकिन कुछ महंगी दवाओं की कीमतें पहले जैसी ही हैं।



इनमें इम्यूनोथेरेपी की दवा कीड्रूडा भी शामिल है, जिसका इस्तेमाल 21 से ज्यादा तरह के कैंसर के इलाज में होता है। इसकी कीमत अभी भी ध्2,16,500 है।

ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली रिबोसाइक्लिब की कीमत भी 24,435 पर बनी हुई है। इसके अलावा टैग्रिसो, टेसेंट्रिक, डार्जालेक्स और इम्फिंजी जैसी दवाओं के दामों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।

पेटेंट वाली दवाओं के दाम घटाना मुश्किल है, क्योंकि ये नई तकनीक और पेटेंट अधिकारों से जुड़ी होती हैं। कीमतें कम होने पर कंपनियां भारत में इनकी सप्लाई घटा या बंद कर सकती हैं।

दवाओं पर ज्यादा मुनाफे के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में पिछली 3 सुनवाई

कैंसर और अन्य बीमारियों की दवाओं पर ज्यादा मुनाफा वसूलने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। हाल ही में कोर्ट में 13 हजार के इंजेक्शन को 1 लाख से ज्यादा में बेचने का मामला भी उठा था।

27 अक्टूबर: पूरा सिस्टम दवा निर्माताओं की मदद कर रहा

सुप्रीम कोर्ट ने दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमत (MRP) और रिटेलर को मिलने वाली कीमतों में भारी अंतर पर सरकार से सवाल किए। कोर्ट ने पूछा कि पूरा सिस्टम दवा निर्माताओं की मदद क्यों कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि सरकार की नजरों के सामने यह सब हो रहा है, क्या इसे ऐसे ही बेलगाम चलने देना चाहिए। दोनों मामलों की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

12 अक्टूबर: एंटी–कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन पर भी सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने एंटी–कैंसर दवाओं का ट्रेड मार्जिन MRP के 30 प्रतिशत तक सीमित करने पर केंद्र के जवाब को मुश्किल से कुछ खुश होने लायक बताया था। कोर्ट ने सवाल किया था कि सरकार दूसरी दवाओं के ट्रेड मार्जिन की सीमा तय क्यों नहीं कर सकती। अस्पतालों के कैंसर दवाओं पर भारी मुनाफा जोड़े जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी आलोचना का सामना कर चुके केंद्र ने कहा था कि उसने एंटी–कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन MRP के 30 प्रतिशत तक सीमित करने का अहम फैसला लिया है।

केंद्र के मुताबिक, इस फैसले से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है।

29 सितंबर: सुप्रीम कोर्ट बोला– कैंसर दवाओं की ऊंची कीमत नरसंहार जैसी

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से सवाल किया था कि ध्2700 की कैंसर की दवा पर उल्द ध्27,000 क्यों है। कोर्ट ने दवाओं की कीमतों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह नरसंहार है।

कैसे तय होती है दवा की कीमत, 4 पॉइंट

1. ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (DPCO) जरूरी दवाओं की कीमत कंट्रोल करता है। 2013 के DPCO तहत नेशनल लिस्ट ऑफ एसेंशियल मेडिसिन्स (NLEM) में शामिल दवाओं की अधिकतम कीमत सरकार तय करती है।

2. बाजार में बिक रही दवाओं की कीमत के आधार पर जरूरी दवाओं की अधिकतम सीमा तय की जाती है। इससे ज्यादा कीमत पर दवा बेचना गैरकानूनी है।

3. स्वास्थ्य मंत्रालय दवाओं की सुरक्षा, असर और कीमत को देखते हुए जरूरी दवाओं की लिस्ट बनाता है। इसमें देश में आम बीमारियों और लोगों की स्वास्थ्य जरूरतों का ध्यान रखा जाता है।

4. इस लिस्ट की समय–समय पर समीक्षा की जाती है और जरूरत के अनुसार नई दवाएं जोड़ी जाती हैं। जो दवाएं इस सूची में नहीं होतीं, उनकी कीमतों पर सरकार का सीधा नियंत्रण कम होता है।

सरकार की ट्रेड मार्जिन रैशनलाइजेशन (TMR) पॉलिसी में खामियां

दवाओं की कीमत में इस कटौती से साफ है कि जेनेरिक दवा कंपनियां मरीजों से भारी मार्जिन वसूल रही थीं। लेकिन सरकार की ट्रेड मार्जिन रैशनलाइजेशन (ज्डद्) नीति में गंभीर खामियां और विरोधाभास हैं।

1. पेटेंट वाले के दाम क्यों नहीं घटेरू टीएमआर फॉर्मूले में प्राइस टू स्टॉकिस्ट पर 42.8 प्रतिशत तक मार्जिन की छूट है। दवाएं बेहद महंगी होने के कारण यह मार्जिन रकम के लिहाज से बहुत बड़ा हो जाता है। कैंसर दवाओं की सप्लाई चेन में एकं–दो बिचौलिये होते हैं या दवाएं सीधे अस्पतालों को बेची जाती हैं। ऐसे में चंद लोगों को भारी मुनाफा मिल सकता है। पेटेंट दवाओं पर टीएमआर का असर न पड़ने की यह भी एक वजह हो सकती है।

2. मरीजों को राहत देने का मौका गंवायारू मरीज सहायता कार्यक्रमों के तहत मुफ्त दी जाने वाली दवाओं को टीएमआर की गणना से बाहर रखा गया है। इन्हें शामिल करने पर पेटेंट दवाओं की कीमतों में कुछ कमी आ सकती थी।

3. बिचौलियों को भारी मार्जिनरू डीपीसीओ के तहत निर्धारित दवाओं पर लागू 16: मार्जिन की सीमा कैंसर की दवाओं पर भी लागू होतीं, तो मरीजों को ज्यादा राहत मिल सकती थी। 2019 में मार्जिन कैप वाली दवाओं के दामों में अब बड़ी कटौती बताती है कि कंपनियां पहले भी ज्यादा मार्जिन ले रही थीं।

4. एनपीपीए पर सवालरू एनपीपीए के पास सप्लाई चेन में कीमतों का ठोस डेटा नहीं है। कंपनियों को बिना स्वतंत्र जांच कीमतें लागू करने और उनकी जानकारी भी खुद देने की छूट दे दी गई है।

कंपनियों, अस्पतालों की जिम्मेदारी

- दवा कंपनियों को अपनी वेबसाइट पर दवा की नई कीमत जारी करनी होगी। इसे रिटेलरों और अस्पतालों तक भी पहुंचाना होगा।
- रिटेलरों और अस्पतालों को 9 नवंबर से कम कीमत पर दवा बेचनी होगी। उन्हें अपनी फार्मेसी में नई दरें दिखाना होगा।।
- अस्पतालों को भी वेबसाइट पर नई कीमतें दिखानी होंगी।
- नई कीमतें लागू कराने की सीधी जिम्मेदारी अस्पतालों की होगी।

हसीना के भागने का वीडियो बनाने वाले अफसर की मौत

(न्यूज एजेंसी)
नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने का वीडियो रिकॉर्ड करने वाले पूर्व एयरफोर्स अधिकारी केएम तौसीफ सौरी की मौत हो गई है। उनका शव गुरुवार को ढाका की तुराग नदी में मिला। 28 साल के फ्लाइट लेफ्टिनेंट सौरी 27 अक्टूबर से लापता थे। परिवार ने आरोप लगाया है कि हसीना का वीडियो साझा करने के कारण उन्हें परेशान किया गया और उनकी हत्या कर दी गई।

अधिकारियों के मुताबिक मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी मौत डूबने से हुई, उन्होंने आत्महत्या की या उनकी हत्या की गई।बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के मुताबिक अधिकारी का शव राजाबाड़ी घाट के पास मिला। सौरी ने



सफेद पेंट और काली शर्ट पहनी हुई थी। शुरुआत में पुलिस शव की पहचान नहीं कर सकी।

उनकी जेब से मिले आईफोन की मदद से पहचान हुई। शव के साथ एक कलाई घड़ी भी मिली। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ढाका के शहीद सुहरावर्दी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया।सौरी की मौत के बाद उनकी चचेरी बहन मोशफेका जहां ने फेसबुक पोस्ट में हत्या का आरोप लगाया। बांग्ला में लिखी पोस्ट में उन्होंने कहा, मेरे भाई की हत्या कर दी गई। उसका कसूर क्या था? हसीना के भागने का वीडियो शेयर करना? जहां ने दावा किया कि सौरी ने नहीं बल्कि उनके सहकर्मी ने वीडियो रिकॉर्ड नहीं किया था। बहन ने आरोप लगाया कि एयरफोर्स से रिटायर किए जाने के बाद भी सौरी को मानसिक प्रताड़ना दी जाती रही।

उन्होंने दावा किया कि जासूस लगातार उनका पीछा कर रहे थे। उनकी चचेरी बहन के मुताबिक, सौरी की तबीयत ठीक थी और मौत से पहले उन्हें घर से बाहर बुलाया गया था।सौरी को एयरफोर्स से क्यों हटाया गया था, इसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बांग्लादेशी वेबसाइट 'जागो न्यूज' के मुताबिक, सैन्य जनसंपर्क निदेशालय ने 4 अगस्त 2025 को उनकी सेवा से विदाई पर बयान जारी किया था। इसमें कहा गया था कि सौरी को नियमों के तहत रिटायर किया गया और उन पर कोई आरोप नहीं था। हालांकि, कुछ रिपोर्टों और सोशल मीडिया पर उनकी विदाई को हसीना के देश छोड़ने के वीडियो से जुड़े विवाद से जोड़ा गया है। उनकी चचेरी बहन का भी आरोप है कि एयरफोर्स छोड़ने से पहले और बाद में सौरी को परेशान किया गया।

'जागो न्यूज' के मुताबिक, उत्तरा पुलिस स्टेशन के अधिकारी शाहीनुर जमान ने गुरुवार को बताया कि उस समय तक सौरी की मौत को लेकर थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई थी।

फिलहाल, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है। जांच में पता चलेगा कि सौरी की मौत कैसे हुई। अभी न उनकी हत्या की पुष्टि हुई है और न ही उनकी मौत का हसीना के वीडियो से कोई संबंध सामने आया है।

इजराइल चुनाव में विदेशी दखल का शक

(न्यूज एजेंसी)
इजराइल में 27 अक्टूबर को हुए संसदीय चुनाव में विदेशी दखल की आशंका जताई गई है। चुनाव आयोग ने जांच एजेंसी शिन बेट्स को मामले की जांच के आदेश दिए हैं। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, एजेंसी एक हफ्ते में जांच रिपोर्ट सौंपेगी।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को शक है कि कतर और तुर्किये से इजराइल और वेस्ट बैंक में पैसे भेजे गए। इनका इस्तेमाल अरब नागरिकों की फंडिंग के लिए किया गया।

चुनाव खत्म होने के बाद दूसरे दिन भी मतों की गिनती जारी है। अब तक 92.6: वोटों की गिनती हुई है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और विपक्षी नेता आइजनकोट दोनों बहुमत से दूर हैं।

अब तक नेतन्याहू के गठबंधन को 53 सीटें, जबकि विपक्षी गठबंधन को 48 सीटें मिलती दिख रही हैं। वहीं, अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिलने का अनुमान है।इजराइल में चुनावी धांधली के आरोपों पर पुलिस ने कहा है कि हर शिकायत की पूरी और निष्पक्ष जांच की जाएगी।

ओडिशा में साइक्लोन से बाढ़, 300 गांवों में लोग फंसे

आंध्र प्रदेश में रेलवे पुल डूबा, एमपी–राजस्थान सहित 15 राज्यों में बारिश–ठंड बढ़ेगी

(न्यूज एजेंसी)
नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान अर्नब भले ही कमजोर पड़ गया है लेकिन देश भर में इसका असर जारी है। चक्रवात ने सबसे ज्यादा ओडिशा और आंध्र प्रदेश में तबाही मचाई है। दोनों राज्यों में करीब 6 लोगों की मौत हुई है। ओडिशा के गंजाम जिले में लगातार 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है। करीब 300 गांवों में बाढ़ आ गई है। राज्य सरकार इन इलाकों में फंसे लोगों को हेलिकॉप्टर से निकालने की तैयारी कर रही है। राज्य में अब तक करीब 30 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

वहीं, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में एक रेलवे पुल पानी में डूब गया है, जिसके चलते दोनों ओर से ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है। प्रशासन फंसे यात्रियों को सड़क के रास्ते निकालने की तैयारी कर रहा है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में हजारों पेड़ गिर गए हैं। कई पुल और सड़कें भी बह गई हैं।

चक्रवात के असर से मध्य





प्रदेश, राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश समेत 15 राज्यों में भी बुधवार रात से बारिश हो रही है। इन राज्यों में अगले दो दिन बारिश जारी रह सकती है। तेज बारिश की आशंका को देखते हुए छत्तीसगढ़ के 12 और ओडिशा के 16 जिलों में गुरुवार को स्कूल बंद रखे गए हैं।चक्रवात अर्नब मंगलवार देर रात करीब 3रू30 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। इस दौरान 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई।

मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, चक्रवात अर्नब कमजोर होकर डीप डिप्रेशन में बदल गया है। गुरुवार सुबह तक इसके डिप्रेशन और शाम तक कम दबाव वाले क्षेत्र में बदलने की संभावना है।चक्रवात अर्नब के असर से मध्य प्रदेश में बारिश का दौर जारी है। बुधवार को सतना, कटनी और छतरपुर समेत कई जिलों में बारिश हुई। गुरुवार को इसका असर और बढ़ने की संभावना है। मौसम केंद्र ने भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, बैतूल, हरदा, ग्वालियर सहित 12 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान के 27 जिलों में गुरुवार को तेज बारिश का अलर्ट है। बुधवार देर शाम भरतपुर और कोटा संभाग के कुछ इलाकों में बादल छाए और देर रात हल्की बारिश हुई। मौसम में बदलाव से ठंड बढ़ गई है। पिछले 24 घंटे में जयपुर, पिलानी, सीकर, बाड़मेर और चूरू समेत लगभग सभी शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सीकर और फतेहपुर में रात का तापमान गिरकर 10 डिग्री तक पहुंच गया।उत्तराखंड में चक्रवाती तूफान अर्नब का असर दिखने लगा है। देहरादून, रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी और टिहरी में सुबह से रुक–रुककर बारिश हो रही है। केदारनाथ में सुबह बर्फबारी के बाद बारिश हुई। मौसम खराब होने के कारण हेलीकॉप्टर सेवा रोक दी गई है। मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून ने प्रदेश के 10 जिलों में गरज–चमक के साथ आंधी–तूफान का यलो अलर्ट जारी किया। हैदरियाणा के पानीपत, सोनीपत, फरीदाबाद और यमुनानगर के कई इलाकों में गुरुवार सुबह बारिश हुई। बूंदाबांदी के बाद आसमान में काले बादल छा गए। मौसम विभाग ने प्रदेश के 15 जिलों में बारिश और तेज हवाओं का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। करनाल और यमुनानगर में आंधी चलने की आशंका हैबिहार के पटना, समस्तीपुर और आरा में गुरुवार सुबह से हल्की बारिश हो रही है, जबकि नालंदा और बेगूसराय में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने 26 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें भोजपुर, अरवल, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर और बक्सर में भारी बारिश की चेतावनी है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और बिजली गिरने की आशंका है।पंजाब और चंडीगढ़ में आज से दो दिन मौसम बदलने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस दौरान कई जगह बिजली गिरने की आशंका है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। बुधवार को पंजाब के औसत अधिकतम तापमान में 0.7 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे तापमान सामान्य के करीब पहुंच गया। फरीदकोट में सबसे ज्यादा 36. 2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

स्पेन में ट्रेन हादसे में 68 मौतों के बाद हिंसा

(न्यूज एजेंसी)
नई दिल्ली। स्पेन में दो हाईस्पीड ट्रेनों की टक्कर में 68 लोगों की मौत के बाद लोगों का गुस्सा भड़क गया है। गुरुवार को सैकड़ों लोगों ने राजधानी मैड्रिड में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते के इस्तीफे की मांग की है। कुछ लोगों ने उन्हें 'मौत का मंत्री' तक कहा। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई। लोगों ने पुलिस पर बोतलें और पटाखे फेंके। पुलिस ने भी प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए बल का प्रयोग किया।ट्रेनों के टक्कर की घटना बुधवार की है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक रेल सुरक्षा सिस्टम में खराबी आई थी जिसके बाद कंट्रोल सेंटर ने एक ट्रेन को दोबारा चलने की इजाजत दी। आगे पटरी पर खड़ी दूसरी ट्रेन से उसकी टक्कर हो गई। सिग्नल सिस्टम की खराबी ही हादसे की असली वजह थी या नहीं, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने भी कहा है कि जांच के बाद हादसे की असली वजह सामने आएगी और जिम्मेदारी तय हो सकेगी। हादसे के बाद देश की रेल व्यवस्था और यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। इस साल स्पेन में हुआ यह दूसरा बड़ा रेल हादसा है, जिसमें लोगों की जान गई है। इसके पहले जनवरी में हुए हादसे में 46 लोगों ने जान गंवाई थी। उस समय पटरी के जोड़ में खराबी के कारण ट्रेन पटरी से उतर गई थी।

मेले में खस्ता खाने से 50 लोग बीमार

10 बच्चे भी शामिल, सीएमओ की टीम ने 102 लोगों को दी दवा

(शन्तिमोर्चा संवाद)
अमेठी। अमेठी में मोहनगंज थाना के कोटवा गांव में मेले के दौरान खस्ता खाने के बाद 17 लोग बीमार हो गए। इनमें 10 बच्चे और 7 वयस्क शामिल हैं। उल्टी–दस्त की शिकायत के बाद सभी को मेडिकल कॉलेज तिलोई में भर्ती कराया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. अंशुमान सिंह के मुताबिक, सभी मरीजों की हालत सामान्य है। गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम निगरानी कर रही है। कोटवा गांव में लगे मेले में एक दुकान पर खस्ता बिक रहा था। इसे खाने के बाद कई लोगों को उल्टी–दस्त की शिकायत होने लगी। इसके बाद ग्राम प्रधान ने मामले की जानकारी सीएमओ डॉ. अंशुमान सिंह को दी। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची।सीएमओ डॉ.अंशुमान सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मेले में खस्ता खाने वाले सभी 102 लोगों को दवा दी गई। इनमें से 10 बच्चों और 7 वयस्कों को इलाज की जरूरत पड़ी, जिसके बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज तिलोई भेजा गया।उल्टी–दस्त की शिकायत के बाद भर्ती कराए गए सभी 17 लोगों का मेडिकल कॉलेज तिलोई में इलाज चल रहा है। सीएमओ के अनुसार, सभी मरीजों की हालत सामान्य है। स्वास्थ्य विभाग की टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है।





घटना के बाद गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम को निगरानी के लिए लगाया गया है। टीम लोगों के स्वास्थ्य पर नजर रख रही है और जरूरत के अनुसार दवा उपलब्ध करा रही है। मेला बाबा मोती दास के यहां लगा था।

मटेरवा के एक व्यक्ति ने वहां खस्ता का ठेला लगाया था। कोटवा, पूरे ढूंदी, मम्मनगंज, पूरे वाणी और पूरे बाबू के बच्चों ने खस्ता खाया था। बच्चे एक–एक कर बीमार होने लगे। ग्राम प्रधान भास्कर सिंह ने आज सुबह इसकी सूचना सीएमओ अमेठी को दी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कैंप लगाकर बच्चों का इलाज शुरू किया।

सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। वहां बच्चों का इलाज किया जा रहा है।

मौके पर सीएमओ अमेठी, तिलोई के उप जिलाधिकारी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिलोई की टीम मौजूद है।

सीएमओ अमेठी अंशुमान सिंह ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है। सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं और उनका इलाज चल रहा है।

जनपद एक नजर में

बारिश से धान कटाई और रबी की बुवाई पर खतरा

सुल्तानपुर। करौंदीकला क्षेत्र में गुरुवार रात से रिमझिम बारिश और सर्द हवाएं चल रही हैं। इससे खेतों में खड़ी धान की फसल और रबी की बुवाई कर चुके किसानों को नुकसान की चिंता है। किसानों के मुताबिक, अब तक करीब 20 से 30 प्रतिशत धान की फसल ही कटकर घर पहुंची है। ज्यादातर फसल खेतों में खड़ी है। बारिश जारी रही तो कटाई में देरी हो सकती है और तैयार फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका है।कई किसानों ने चना, मटर, आलू, सरसों और सब्जियों की बुवाई कर दी है। बारिश से खेतों में पानी भरने पर बीजों के अंकुरण पर असर पड़ सकता है। इससे फसल का जमाव कमजोर हो सकता है और जुताई व बीज पर लगी लागत भी बर्बाद हो सकती है।



गन्ने की फसल को लेकर भी किसान चिंतित हैं। पिछले चक्रवाती तूफान के दौरान गन्ने की फसल पर असर पड़ा था। अब फिर बारिश होने से किसानों को फसल को नुकसान की आशंका है।

क्षेत्र में रिमझिम बारिश जारी है और सर्द हवाओं से ठंडक बढ़ गई है। किसान मौसम साफ होने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि फसलों को नुकसान से बचाया जा सके।

मूर्ति विसर्जन के लिए जाते समय जनरेटर में आग लगी

सुल्तानपुर। कादीपुर कोतवाली अंतर्गत मुस्तफाबाद सरैया बाजार में मूर्ति विसर्जन के लिए ले जाते समय बड़ा हादसा हुआ है। ट्रैक्टर पर रखे जनरेटर में अचानक आग लगने से मौके पर अफरा–तफरी मच गई। इस दौरान आग बुझाने गया एक किशोर झुलस गया जिसे बुधवार रात कादीपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से रात 12:30 बजे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार कादीपुर कोतवाली मुस्तफाबाद सरैया बाजार में विसर्जन शोभा यात्रा निकाली गई थी। इस दौरान ट्रैक्टर पर रखे जनरेटर में अचानक आग लग गई। जिसे गांव निवासी दीपांशु अग्रहरि (16वर्ष) पुत्र रामसेवक अग्रहरि बुझाने दौड़ा इस बीच यो आग की चपेट में आकर झुलस गया। उसका पैर आग की चपेट में आया है। घायल दीपांशु को इलाज के लिए कादीपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां से उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। फिलहाल राजकीय मेडिकल कॉलेज में उसका इलाज जारी है। मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए इस हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया।

पूर्व मंत्री के खिलाफ हत्या केस में बहस शुरू

सुलतानपुर। पूर्व मंत्री जंग बहादुर सिंह समेत तीन आरोपियों के खिलाफ विचाराधीन हत्या के मामले में गुरुवार को बचाव पक्ष ने अंतिम बहस शुरू की। बचाव पक्ष ने आरोपियों को बेगुनाह बताते हुए दलीलें पेश कीं।

बहस पूरी नहीं होने पर एमपी–एमएलए की विशेष कोर्ट के एडीजे राकेश ने बाकी बहस के लिए 30 अक्टूबर की तारीख तय की है। अमेठी जिले के जामो थाने के पूरे मतऊ गौरा गांव के राज कुमार यादव की 7 अप्रैल 2001 को हत्या कर दी गई थी। उनका शव जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दिछौली में मिला था।

पति की जान खतरे में बताकर महिला से ठगी

पूजा–पाठ के नाम पर साइबर ठगों ने 1.38 लाख रुपये ट्रांसफर कराए, एफआईआर दर्ज

(शन्तिमोर्चा संवाद)
सुल्तानपुर। जिले के दोस्तपुर थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने पति की जान खतरे में बताकर पूजा–पाठ के नाम पर एक महिला से 1 लाख 38 हजार 900 रुपये ठग लिए। महिला की शिकायत पर दोस्तपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

दोस्तपुर के मोहल्ला कजियाना उत्तरी की रहने वाली अनुभा गुप्ता पत्नी शचीन्द्र भारतीय को 22 अक्टूबर को दोपहर करीब 12रू33 बजे एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप वॉयस कॉल आया। कॉल करने वाले ने कहा कि उनके पति की जान खतरे में है और संकट टालने के लिए पूजा–पाठ कराना जरूरी है।



उसने पूजा नहीं कराने पर पति के साथ गंभीर हादसा होने की बात कही।

घबराकर अनुभा ने ठग के बताए अनुसार रुपये भेजे। उन्होंने अपने बैंक ऑफ इंडिया खाते से यूपीआई के जरिए 22 और 23 अक्टूबर को कुल 87,200 रुपये ट्रांसफर किए। इसके अलावा, अपनी बहन के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया खाते से एक बताए गए एसबीआई खाते में 51,700 रुपये भेजे गए। कुल 1,38,900 रुपये ट्रांसफर हुए।

23 अक्टूबर को दोपहर करीब 1रू30 बजे महिला को ठगी का पता चला। उन्होंने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत की। शिकायत और तहरीर के आधार पर दोस्तपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। मामले की जांच उपनिरीक्षक सुबेदार यादव को सौंपी गई है।

वीआईपी पार्टी नेताओं की स्कॉर्पियो का शीशा टूटा, नेताओं ने किया फायरिंग का दावा

सड़क से उछली गिट्टी : पुलिस

(शन्तिमोर्चा संवाद)
सुल्तानपुर। सुल्तानपुर में गुरुवार सुबह करीब 11:30 बजे विकासशील इंसान पार्टी (VIP) के नेताओं की स्कॉर्पियो का संदिग्ध अवस्था में शीशा टूट गया। नेताओं ने गाड़ी पर फायरिंग का दावा किया। पुलिस की शुरुआती जांच में सड़क से गिट्टी उछलकर शीशे से टकराने की बात सामने आई है। गाड़ी में सवार चारों नेता सुरक्षित हैं।

घटना कोतवाली नगर के पांचोपीरन स्थित नवीन बाघमंडी के पास हुई। वे टाटिया नगर से लंभुआ विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। नवीन बाघमंडी के पास सड़क से गिट्टी उछलकर गाड़ी के पीछे दाहिनी ओर के शीशे से टकराई, जिससे वह टूट गया। आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।उर्मिला निषाद ने कहा कि किसी ने गाड़ी पर फायरिंग की थी। उनके मुताबिक, गाड़ी धुएं से भर गई और शीशा टूट गया। घटना के बाद गाड़ी रोककर स्थानीय प्रशासन को सूचना दी गई और मदद मांगी गई। पार्टी नेताओं ने कहा कि वे रास्ते में किसी को नहीं जानते थे और उन्होंने किसी को देखा भी नहीं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चौकी प्रभारी केएनआई हरेंद्र सिंह ने कहा कि फायरिंग की बात सही नहीं है और जांच में ऐसा कोई तथ्य सामने नहीं आया।



उन्होंने बताया कि तहरीर ली जा रही है और जांच के आधार पर कार्रवाई होगी। वहीं नगर कोतवाल भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं। प्रदेश सचिव संजय पासवान, जिन्हें जिले का प्रभारी बनाया गया है, जिलाध्यक्ष उर्मिला निषाद और दो अन्य नेता स्कॉर्पियो में सवार थे।

आधी रात घर में लगी आग भूसा व राशन नष्ट

(शन्तिमोर्चा संवाद)
सुल्तानपुर। सुल्तानपुर जिले के अखंडनगर थाना अंतर्गत नगरी निवासी राम सवत के घर में बुधवार रात लगभग 12 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते सब कुछ जलकर राख हो गया। करीब एक लाख से अधिक नुकसान की बात सामने आई है। पीड़ित राम शब्द ने बताया कि घटना के समय वे लोग बगल में ही सो रहे थे, तभी अचानक आग लगने का पता चला।

जब तक वे कुछ समझ पाते और मदद के लिए आगे आते, तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। इस दर्दनाक हादसे में गृहस्वामी का भारी नुकसान हुआ। आग की चपेट में आने से तीन जानवर (बछिया) जलकर मर गए। घर के अंदर खड़ी एक मोटरसाइकिल पूरी तरह जल गई। घर में रखा गल्ला, भूसा और खाने–पीने का राशन (गेहूं, चावल, सरसों आदि) जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।अचानक हुई इस घटना से पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया है और उनका रो–रोकर बुरा हाल है। इंस्पेक्टर अखंडनगर धीरेन्द्र वर्मा ने बताया कि मच्छर भगाने के लिए घर वालों ने आग सुलगाया था। जिसे उनके द्वारा बुझाया गया लेकिन चिंगारी मौजूद थी।

138 ग्रामीणों के नाम वोटर लिस्ट से हटे

अमेठी। अमेठी के गोपालपुर गांव के 138 निवासियों के नाम अंतिम मतदाता सूची से हटाने के मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से जवाब मांगा है। अदालत ने पूछा कि प्रारंभिक सूची में नाम होने के बावजूद उन्हें अंतिम सूची से किस आधार पर हटाया गया।

न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की एकल पीठ ने महमूदपुर बेनीपुर ग्राम पंचायत के निवासियों की याचिका पर यह आदेश दिया। याचियों के मुताबिक, उनके नाम करीब 10 साल से मतदाता सूची में दर्ज थे। इस बार जारी ड्राफ्ट सूची में भी उनके नाम थे, लेकिन अंतिम सूची में नहीं मिले। याचियों ने आरोप लगाया कि नाम हटाने से पहले उन्हें कोई सूचना नहीं दी गई।

इससे पहले 9 अक्टूबर को हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा था कि मतदाताओं के नाम हटाने में किन नियमों और प्रक्रियाओं का पालन किया गया। राज्य सरकार के वकील ने संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेने के लिए समय मांगा था।

अब राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को अपना जवाब देना होगा। याचिका पर अगली सुनवाई गुरुवार को तय है।

रोजगार मेले में 395 अभ्यर्थियों का चयन

अमेठी। राजकीय महिला पॉलिटेक्निक में आयोजित विधानसभा स्तरीय रोजगार मेले में 714 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया। इनमें से 395 अभ्यर्थियों का अलग–अलग कंपनियों में चयन हुआ। जिला सेवायोजन कार्यालय और राजकीय महिला पॉलिटेक्निक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मेले में कंपनियों ने अभ्यर्थियों की योग्यता और कौशल के आधार पर चयन प्रक्रिया पूरी की। रोजगार मेले में टाटा मोटर्स, अमेजन, जेप्टो, आदित्य बिरला और अशोक लेलैंड समेत कई कंपनियों ने भाग लिया। कंपनी प्रतिनिधियों ने निर्धारित मानकों के आधार पर अभ्यर्थियों की योग्यता और कौशल का आकलन कर उनका चयन किया।

2,47,430 किसानों को मिलेगी किसान की किस्त

30 अक्टूबर को गुजरात के बनासकांठा से जारी 24वीं किस्त

(शन्तिमोर्चा संवाद)
अमेठी। अमेठी में 30 अक्टूबर 2026 को पीएम किसान उत्सव दिवस मनाया जाएगा। इस दिन प्रधानमंत्री गुजरात के बनासकांठा से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी करेंगे। जिले के 2,47,430 किसानों के बैंक खातों में धनराशि भेजी जाएगी। कार्यक्रम सुबह 10 बजे शुरू होगा। किसानों की भागीदारी के लिए जिले से लेकर ग्राम सभा स्तर तक कार्यक्रम होंगे।



उप कृषि निदेशक सत्येन्द्र कुमार ने बताया कि शासन के निर्देश पर विकास भवन, सभी विकासखंडों, तहसीलों, राजकीय कृषि बीज भंडारों, कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि मंडियों, एफपीओ, न्याय पंचायतों और ग्राम सभाओं में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में प्रधानमंत्री के संबोधन और 24वीं किस्त जारी होने का सीधा प्रसारण किया जाएगा। जिले का मुख्य कार्यक्रम विकास भवन सभागार में होगा। यहां अधिकारी और किसान प्रधानमंत्री का कार्यक्रम देख सकेंगे। न्याय पंचायत स्तर पर तैनात कृषि विभाग के कर्मचारी मोबाइल और लैपटॉप से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाएंगे। कृषि विज्ञान केंद्रों और कृषि मंडियों में भी किसान कार्यक्रम देख सकेंगे।

उप कृषि निदेशक ने बताया कि सभी आयोजन स्थलों पर किसानों के बैठने और पेयजल समेत जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। अपर कृषि निदेशक (प्रसार), उत्तर प्रदेश के निर्देश पर कार्यक्रम की तस्वीरें आयोजन के दौरान ही ईपीसीएस ऐप पर अपलोड की जाएंगी।

कृषि विभाग ने किसानों से 30 अक्टूबर 2026 को सुबह 10 बजे नजदीकी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने की अपील की है। किसान अपने विकासखंड, राजकीय कृषि बीज भंडार, कृषि विज्ञान केंद्र या तय स्थानीय कार्यक्रम स्थल पर प्रधानमंत्री का संबोधन और कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देख सकते हैं।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक शत्रुहन पाठक, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी संजय श्रीवास्तव, सूर्य नायक सहित संबंधित अधिकारी–कर्मचारी, गणमान्य नागरिक और वर–वधू के परिजन मौजूद रहे। पीएम किसान योजना का लाभ उठा रहे किसानों को समय–समय पर अपनी डिटेल चेक कर लेनी चाहिए कि उनके पीएम खाते में सभी जानकारी सही हो और कुछ छूटा ना हो। कई बार किसान ये सब चेक नहीं करते, जिसके चलते उनके खाते में किस्त की राशि नहीं आती है। अगर आपकी ई–केवाईसी नहीं हुई है तो आपके खाते में पैसा नहीं आएगा। अब सवाल यह है कि ये कैसे पता करेंगे कि किसी किसान की e–KYC हुई है या नहीं। आइए इसे भी जानते हैं। पीएम किसान योजना के तहत पात्र किसानों की ई–केवाईसी पूरी हुई है या नहीं, इसे जानने के लिए ताजा स्टेटस चेक करना होगा। ताजा स्टेटस चेक करने के लिए नीचे दिए गए स्टेप्स को फॉलो करें।

किसान योजना का ताजा स्टेटस देखने के लिए सबसे पहले आपको पीएम किसान योजना की आधिकारिक osclkbVpmkisan-gov-in पर जाना होगा।

शांति मोर्चा पब्लिशर एण्ड प्रिन्टर प्रा.लि.फैजाबाद के प्रबन्ध निदेशक भीम यादव (94154–04445) द्वारा शांति मोर्चा हिन्दी दैनिक हासापुर, डाभासेमर अयोध्या–224133 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधानसम्पादक
भीम यादव*
सम्पादक:
ज्ञानप्रकाशटेकचन्दानी 'सरल'
सम्पादकीय विभाग:
94155–85344,
फैक्स: 05278–245434
प्रसार विभाग: 98385–04445,
विज्ञापन विभाग: 99814–04445,
प्रबन्धन विभाग: 9918–725000
e-mail ID:
shantimorchadaily@gmail.com
sm5m95@yahoo.in
gptsaral@gmail.com
RNI No. UPHIN 2012/50297
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद अयोध्या न्यायालय के अधीन ही होंगे।

10वें दीपोत्सव में देश–विदेश की रामलीलाओं का संगम ,10 से 15 मंचों पर होगा आयोजन

फिलीपींस–श्रीलंका समेत दूसरे देशों के 2000 कलाकार करेंगे रामलीला





(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या। अयोध्या में 10वें दीपोत्सव में रामलीला के साथ देश के अलग–अलग राज्यों के लोकनृत्यों की झलक भी देखने को मिलेगी। इसके लिए संस्कृति विभाग ने 2 हजार से अधिक कलाकारों को आमंत्रित किया है। अयोध्या धाम में डेढ़ दर्जन से ज्यादा छोटे और मध्यम मंच सजाए जाएंगे। वहीं, साकेत महाविद्यालय से रामकथा पार्क तक निकलने वाली झांकियों में भी कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

इस बार दीपोत्सव में भारतीय राज्यों के साथ विदेशी कलाकार भी अपनी स्थानीय परंपरा और शैली में रामलीला का मंचन करेंगे। एक देश या राज्य की टीम में करीब 25 से 30 कलाकार शामिल होंगे। पिछले साल पांच देशों के कलाकारों ने रामलीला का मंचन किया था।

अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के सलाहकार डॉ. आशुतोष द्विवेदी के मुताबिक, फिलहाल फिलीपींस और श्रीलंका के कलाकारों का आना तय हुआ है। इसके अलावा असम, केरल, उत्तराखंड, जम्मू–कश्मीर और पश्चिम बंगाल की टीमें भी अपनी प्रस्तुतियां देंगी।

कुछ अन्य देशों की टीमों को बुलाने के लिए भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद से पत्राचार किया जा रहा है। डॉ. द्विवेदी के अनुसार, दीपोत्सव की तारीख तक कुछ और विदेशी कलाकारों के आने की संभावना है।

दीपोत्सव की झांकियों और मंचों पर देश के अलग–अलग राज्यों के लोकनृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। इनमें बिहू, गंभीरा, संथाली, छोलिया, पांडव, झोड़ा, चाचरी, डंडारास, गोजरी, पुरुलिया छऊ और भोरताल जैसे लोकनृत्य शामिल हैं। इसके अलावा कथकली, मोहिनीअट्टम, मयूर नृत्य, चरकुला, रासलीला और धोबिया नृत्य की प्रस्तुतियां भी होंगी। उत्तर प्रदेश के विभिन्न अंचलों के प्रमुख लोकनृत्यों को भी कार्यक्रम में शामिल किया गया है। इस तरह दीपोत्सव में रामकथा के साथ देश की विविध लोककलाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को एक मंच पर प्रस्तुत करने की तैयारी है। संस्कृति विभाग का यह आयोजन रामनगरी अयोध्या की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के साथ देश–विदेश की रामलीला परंपराओं को एक साझा मंच प्रदान करेगा।अलग–अलग भाषाओं में होने वाले मंचन के जरिए रामायण की व्यापक सांस्कृतिक पहुंच और उसकी जुड़ाव की क्षमता सामने आएगी।दीपोत्सव के दौरान रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं,पर्यटकों और संस्कृति प्रेमियों को एक ही स्थान पर विविध भाषाओं और शैलियों में रामकथा देखने का अवसर मिलेगा।

जनपद एक नजर में

जिला अस्पताल के सफाईकर्मी हड़ताल पर

अयोध्या। अयोध्या जिला अस्पताल में वेतन नहीं मिलने से नाराज सफाई कर्मचारियों ने गुरुवार को हड़ताल कर दी। कर्मचारी इमरजेंसी वार्ड के सामने धरने पर बैठ गए और नारेबाजी की। हड़ताल के चलते अस्पताल परिसर में जगह–जगह कूड़े का अंबार लग गया। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें सितंबर महीने से वेतन नहीं मिला है। वहीं, पिछले आठ से नौ महीने से उनके पीएफ की कटौती भी नहीं की गई है। कर्मचारियों के मुताबिक, उनका मासिक वेतन महज 7200 रुपए है। इतनी कम आय में भी समय पर भुगतान नहीं होने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। सफाई कर्मचारियों ने सुपरवाइजर तिवारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि वेतन की जानकारी लेने और अपने साथियों को बुलाने पहुंचने पर सुपरवाइजर ने कथित तौर पर धमकी दी। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें पिटवाने की बात भी कही गई। इससे नाराज कर्मचारियों ने धरना शुरू कर दिया।



राजघाट में पेयजल पाइप लाइन टूटी , सड़क पर पानी बहा

अयोध्या। अयोध्या के अविराम दास वार्ड स्थित राजघाट मोहल्ले में जैन मंदिर के पास पेयजल पाइपलाइन टूट गई है। पानी सड़क पर बह रहा है और बर्बाद हो रहा है। मंदिर आने–जाने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को भी परेशानी हो रही है। स्थानीय निवासी चंद्र प्रकाश समेत दर्जनों लोगों ने बताया कि पाइप टूटने से लगातार पानी सड़क पर फैल रहा है। इससे लोगों को आने–जाने में दिक्कत हो रही है।

मोहल्ले के लोगों ने वार्ड पार्षद सुल्तान अंसारी से पाइपलाइन की मरम्मत कराने और पानी की बर्बादी रोकने की मांग की है। उन्होंने समस्या का जल्द समाधान कराने की भी मांग की।



भरतकुंड महोत्सव के पोस्टर का विमोचन

अयोध्या। 28वें भरतकुंड महोत्सव के पोस्टर का गुरुवार को अयोध्या स्थित सर्किट हाउस में विमोचन किया गया। भरतकुंड महोत्सव न्यास की ओर से उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के सहयोग से यह सात दिवसीय आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य महात्मा भरत के त्याग, तपस्या और समर्पण की परंपरा को जन–जन तक पहुंचाना है।महोत्सव के संयोजक डॉ. अमित सिंह चौहान ने बताया कि आयोजन में अवध की सांस्कृतिक विरासत, लोककलाओं, साहित्य और धार्मिक परंपराओं को मंच दिया जाएगा।

अयोध्या में इस बार जलेंगे 30 लाख दीप

20 लाख दीपक किए गए स्टोर , 1 नवंबर से पहुंचेगा तेल और अन्य सामान



(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या। अयोध्या में दसवां दीपोत्सव 7 नवंबर को मनाया जाएगा। राम की पैड़ी के 56 घाटों पर 30 लाख से ज्यादा दीप जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी है। इसके लिए करीब 20 लाख दीपक स्टोर किए जा चुके हैं। अब आयोजन समिति का ध्यान तेल और बत्ती की व्यवस्था पर है। इसकी आपूर्ति 1 नवंबर से शुरू होगी।

दीपोत्सव की तैयारियों के तहत राम की पैड़ी पर दीप जलाने के लिए मार्किंग की जा रही है। घाटों का नवीनीकरण भी किया गया है। मंडप, फर्श और मंच को नया रूप दिया गया है। मुख्य आयोजन स्थल के सामने सीढ़ियों पर दर्शक दीर्घा का विस्तार किया गया है, ताकि लोग दीपोत्सव को बेहतर तरीके से देख सकें।राम जन्मभूमि मंदिर में भी दीपोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंदिर परिसर में एक लाख दीप जलाए जाएंगे। मंदिर को अलग–अलग तरह की लाइटों और फूलों से सजाया जाएगा।

राम जन्मभूमि मंदिर धार्मिक समिति के सदस्य स्वामी राजकुमार के मुताबिक, दीपोत्सव के लिए मंदिर परिसर को सजाने की तैयारी शामिल होने की संभावना है। वे रामलला के दर्शन भी कर सकते हैं। हालांकि, उनके कार्यक्रम की आधिकारिक पुष्टि जरूरी है। 6 से 8 नवंबर तक राम जन्मभूमि मंदिर परिसर को खास तरीके से सजाया जाएगा। दीपोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में भी उत्साह है। लोग रामलला के दर्शन के साथ दीपोत्सव देखने के लिए उत्सुक हैं। राम की पैड़ी पर गुप्ती घाट से नागेश्वरनाथ तक जमीन के नीचे से गंदगी का रिसाव भी चिंता का विषय बना हुआ है। दीपोत्सव से पहले इस समस्या का समाधान करना जरूरी है, ताकि आयोजन के दौरान घाटों की साफ–सफाई और व्यवस्था बनी रहे।

संस्थाओं और मंदिर के कर्मचारियों को दी गई है। दीपक मिट्टी और गोबर से बने होने चाहिए।दीपोत्सव में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अपने कुछ वरिष्ठ सहयोगियों के साथ की जा रही है। दीप जलाने की जिम्मेदारी संतों, स्वयंसेवी

गोसाईगंज टाउन फीडर पर रात्रिकालीन गैंग के लिए दो कर्मचारियों की हुई तैनाती , सभासद आरती जायसवाल के प्रयासों को मिली सफलता

एक साल से लगातार कर रही थीं प्रयास ,वर्षो पुरानी मांग पूरी होने पर सभासद ने अधिकारियों के प्रति जताया आभार

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या। गोसाईगंज बाजार वासियों के लिए राहत भरी खबर है। नगर पंचायत गोसाईगंज की सभासद श्रीमती आरती जायसवाल के लगातार प्रयासों के बाद गोसाईगंज टाउन फीडर पर रात्रिकालीन गैंग के लिए दो कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है।इस संबंध में उच्चाधिकारियों के निर्देश पर गोसाईगंज विद्युत उपखंड पर तैनात एसडीओ रामाशीष यादव द्वारा बीते 14 अक्टूबर को आदेश जारी कर दिया गया है!जिसकी पुष्टि अवर अभियंता शिवशंकर यादव ने भी की है।गौरतलब है कि गोसाईगंज टाउन फीडर पर रात्रि कालीन गैंग की तैनाती की मांग लंबे समय से उठती रही थी। नगर पंचायत की सभासद श्रीमती आरती जायसवाल इस मांग को पूरा कराने के लिए पिछले एक वर्ष से लगातार प्रयास रत थीं। इस दौरान उन्होंने जनपद मुख्यालय से लेकर शासन–प्रशासन के संबंधित अधिकारियों तक दर्जनों बार पत्राचार कर कस्बे में विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा रात के समय बिजली संबंधी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए रात्रि कालीन गैंग की तैनाती की मांग उठाई ।अब 2 कर्मचारियों की तैनाती का आदेश जारी होने से उनकी इस पहल को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। रात्रिकालीन गैंग की व्यवस्था से रात के समय विद्युत आपूर्ति में आने वाली बाधाओं और तकनीकी समस्याओं के समाधान में मदद मिलने की उम्मीद है,जिससे गोसाईगंज बाजार के उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है।वर्षों पुरानी इस मांग के पूरी होने पर सभासद श्रीमती आरती जायसवाल ने मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री,पावर कारपोरेशन के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक के साथ–साथ जनपद मुख्यालय पर तैनात मुख्य अभियंता (वितरण) अयोध्या परिक्षेत्र अयोध्या, अधीक्षण अभियंता तथा दर्शन नगर के अधिशासी अभियंता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस कार्य में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों को साधुवाद देते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी गोसाईगंज की विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए इसी तरह सकारात्मक पहल जारी रहेगी।



नकली चेन बेचकर जेवर और 20 हजार ठगे



(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या। अयोध्या के इनायतनगर थाना क्षेत्र के कुचेरा बाजार में एक युवक ने ज्वेलर्स को नकली धातु की चेन सोने की बताकर बेच दी। बदले में उसने सोने के जेवर और 20 हजार रुपये नकद लिए। दुकानदार ने बाद में चेन की जांच कराई तो उसके नकली होने का पता चला। शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, कुचेरा बाजार निवासी प्रदीप कौशल की अनंतराम सर्राफ नाम से ज्वेलरी की दुकान है। उन्होंने शिकायत में बताया कि बुधवार शाम एक युवक दुकान पर आया। उसने अपनी मजबूरी बताकर चेन बेचने की बात कही। बातचीत के बाद सौदा तय हो गया।

चेन का वजन 14 ग्राम था। युवक ने संदीप यादव, निवासी चौक, फैजाबाद के नाम से बिल बनवाया और दुकान से चला गया। दुकानदार ने चेन को असली सोना समझकर खरीद लिया।

दुकान बंद होने के बाद प्रदीप कौशल ने चेन की जांच कराई। इसमें पता चला कि चेन सोने की नहीं, बल्कि नकली धातु की बनी थी। छानबीन के दौरान चेन बेचने आए युवक की पहचान सनी, निवासी राजा गली, चौक, फैजाबाद के रूप में हुई। इनायतनगर के प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर जांच के बाद संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस टीम आरोपी की तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया जाएगा।

रामपथ से पूरा कूड़ा नहीं उठाने की शिकायत ,सफाई व्यवस्था पर सवाल



(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या। अयोध्या के मंगलपांडे वार्ड स्थित लोहा बाजार में रामपथ से पूरा कूड़ा नहीं उठाने की शिकायत सामने आई है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम की सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। लोगों के मुताबिक, रामपथ पर सफाई करने वाले कर्मचारी सड़क से निकला पूरा कूड़ा नहीं उठाते।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित सफाई के बावजूद कूड़ा पूरी तरह नहीं हटाया जाता। सड़क और बाजार के आसपास कूड़ा जमा रहने से लोगों को परेशानी होती है।लोगों के अनुसार, नगर निगम सफाई के लिए कर्मचारियों को तैनात करता है, लेकिन सफाई के बाद कूड़ा पूरी तरह नहीं हटाया जाता। स्थानीय लोगों ने नगर निगम अधिकारियों से मामले पर ध्यान देने और सफाई कर्मचारियों को निर्देश देने की मांग की है। उन्होंने रामपथ और लोहा बाजार में सफाई के साथ कूड़ा समय पर उठाने की मांग भी की है।

भारतीय रेडक्रास सोसाइटी की नवनिर्वाचित जिला प्रबंध कार्यकारिणी को दिलाई गई शपथ



(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या। जिलाधिकारी अयोध्या शशांक त्रिपाठी ने कैंप कार्यालय समागार में भारतीय रेडक्रास सोसाइटी, अयोध्या की नवनिर्वाचित जिला प्रबंध कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को रेडक्रास के मूल सिद्धांतों के अनुपालन की शपथ दिलाई।

उल्लेखनीय है कि भारतीय रेडक्रास सोसाइटी, अयोध्या की जिला प्रबंध कार्यकारिणी का चुनाव दिनांक 21 सितंबर 2026 को संपन्न हुआ था।

चुनाव में डॉ. अजय मोहन श्रीवास्तव सभापति, श्री मिश्रीलाल उपसभापति तथा डॉ. सद्दाम खान को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इसके अतिरिक्त डॉ. संदीप कुमार शुक्ला, डॉ. मिर्जा शाहाब शाह, श्री रामानुज तिवारी, डॉ. मदन बरनवाल, डॉ. रविन्द्र शुक्ला, डॉ. विकास श्रीवास्तव, डॉ. अमित वर्मा, डॉ. विनय प्रकाश मौर्य, श्री बसंतराम, श्री मनोज कुमार वर्मा, श्री शीतला प्रसाद गुप्ता, श्री रीतेश कुमार, श्री शक्तिराज श्रीवास्तव, श्री जयशंकर त्रिपाठी, डॉ. अजय कुमार मिश्रा, श्री देवेंद्रनाथ मिश्रा, पवन कुमार शर्मा, श्री घनश्याम यादव तथा डॉ. कनक बिहारी पाठक सहित 19 कार्यकारिणी सदस्यों ने शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को रेडक्रास के मूल सिद्धांतों कृमानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता एवं सार्वभौमिकताकृके प्रति निष्ठावान रहते हुए कार्य करने की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी अयोध्या डॉ. देवेंद्र कुमार भट्टोरिया ने अपने संबोधन में नवनिर्वाचित जिला कार्यकारिणी को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि सभी पदाधिकारी एवं सदस्य जनपद में रेडक्रास के उद्देश्यों के अनुरूप जनसेवा, मानवीय सहायता तथा जरूरतमंदों के कल्याण के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ करेंगे। इस अवसर पर डॉ. संदीप कुमार शुक्ला, जिला क्षय रोग अधिकारी अयोध्या एवं भारतीय रेडक्रास सोसाइटी के प्रशासनिक सचिव ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान श्री राम सेवक, श्री रामानुज, श्री विवेक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।